■ कार्तिक शुक्ल - 6 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 103 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 07-11-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 डोनाल्ड ट्रंप की जीत से भारत-अमेरिका संबंध और मजबूत होंगे : सिंधिया

6 बच्चों में स्क्रीन की बढ़ती लत एक गंभीर समस्या

7 'एनिमल' के सीक्वल की तैयारी में हैं भूषण कुमार

डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

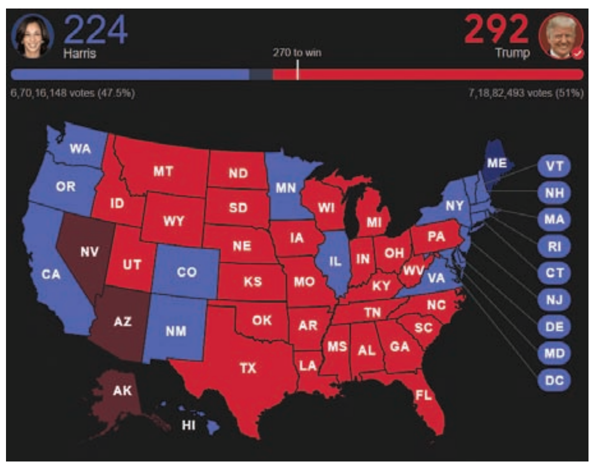

वाशिंगटन/भाषा। डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। उनकी जीत को अमेरिकी इतिहास में किसी नेता की सबसे बड़ी राजनीतिक वापसी करार दिया जा रहा है।

व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी से जुड़े 34 आरोपों में दोषी करार दिए गए और एक पोर्न स्टार को मुंह बंद रखने के एवज में पैसे देने के मामले में फैसले का इंतजार कर रहे ट्रंप एक कड़े मुकाबले में अपनी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस को मात देने में कामयाब रहे।

ट्रंप चार साल के अंतराल के बाद एक बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए। वह 2020 में व्हाइट हाउस की दौड़ में हार गए थे, जिसके बाद उनके समर्थकों ने अमेरिकी कैपिटल (संसद परिसर) में तोड़फोड़ और आगजनी की थी।

'एसोसिएटेड प्रेस' की ओर से शाम सात बजे उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, ट्रंप और हैरिस को क्रमश: 224 और 292 निर्वाचक मंडल वोट हासिल हो चुके हैं।

ट्रंप (78) अमेरिकी इतिहास में देश के राष्ट्रपति चुने जाने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं। उन्होंने विस्कोन्सिन में जीत के साथ राष्ट्रपति चुनाव में विजयी घोषित किए जाने के लिए जरूरी 270 निर्वाचक मंडल वोट हासिल कर लिए।

फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में समर्थकों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में अपनी जीत का ऐलान किया और जनादेश को अभूतपूर्व एवं शक्तिशाली करार दिया। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान अपनी हत्या की दो नाकाम कोशिशों का जिक्र करते हुए कहा, कई लोगों ने मुझसे कहा कि भगवान ने एक खास कारण से मेरी जान बख्शी है। उन्होंने कहा, यह अमेरिका के लिए वाकई स्वर्णिम युग होगा। यह शानदार जीत है, जो हमें अमेरिका को फिर से महान बनाने में मदद करेगी। ट्रंप ने कहा, यह अमेरिका के लोगों के लिए एक शानदार जीत है। यह एक ऐसा आंदोलन था, जिसे पहले कभी किसी ने नहीं देखा था, और सच कहूं तो मेरा मानना है कि यह अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक आंदोलन था। इस देश में, और शायद इसके बाहर भी कभी ऐसा कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा, और अब यह एक नये स्तर पर पहुंचने जा रहा है, क्योंकि हम उबरने में अपने देश की मदद करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में

प्रधानमंत्री मोदी ने 'ऐतिहासिक' जीत पर डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति निर्वाचित होने और उनकी 'ऐतिहासिक' जीत पर बुधवार को उन्हें बधाई दी तथा वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप को उनकी ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। आपके अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं के क्रम में, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नए सिरे से आगे बढ़ाने की आशा करता हूं। उन्होंने कहा, आइए एक साथ मिलकर अपने लोगों की बेहतरी के लिए और वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए काम करें। मोदी ने इस पोस्ट के साथ ट्रंप से मुलाकात की कुछ पुरानी तस्वीरें भी साझा की।

योग्य छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मेधावी विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को बुधवार को मंजूरी दे दी, ताकि वित्तीय बाधाएं उन्हें गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने से न रोक सकें। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी।

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के अनुसार, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों (क्यूएचईआई) में दाखिला लेने वाला कोई भी विद्यार्थी पाठ्यक्रम से संबंधित ट्यूशन शुल्क और अन्य खर्चों की पूरी राशि को कवर करने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों से बिना किसी जमानत या गारंटर के ऋण हासिल करने के लिए पात्र होगा।

इस योजना के लिए 3,600 करोड़ रुपए के परिव्यय को मंजूरी दी गई है, जिसके तहत राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एनआईआरएफ) के आधार पर देश के शीर्ष 860 क्यूएचईआई में प्रवेश पाने वाले छात्रों को शिक्षा ऋण की सुविधा दी जाएगी। इसमें हर साल 22 लाख से अधिक छात्र शामिल होंगे।

वैष्णव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, मंत्रिमंडल ने मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दी है, ताकि वित्तीय बाधाएं भारत के किसी भी युवा को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने से न रोक सकें।

दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया गया

राहुल गांधी की नागरिकता के मुद्दे पर सीबीआई जांच शुरू की गई

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय को बुधवार को यह जानकारी दी गई कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा सुनवाई की जा रही जनहित याचिका पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता की सीबीआई जांच शुरू की गई है।

याचिकाकर्ता एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कनार्टक इकाई के कार्यकर्ता ने जब कहा कि उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की थी, मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला ने कहा कि पीठ कोई विरोधाभासी आदेश पारित करना नहीं चाहती। पीठ ने कहा कि एक ही विषय पर दो समानांतर याचिकाएं नहीं हो सकतीं। साथ ही, एस विग्नेश शिशिर को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उनकी जनहित याचिका के बाद संबद्ध घटनाक्रमों पर एक हलफनामा दाखिल करने की अनुमति दी।

ट्रंप की जीत से बिटकॉइन रिकॉर्ड ऊंचाई पर

लंदन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत क्रिप्टोकरेंसी के लिए वरदान साबित हुई और बिटकॉइन की कीमत बुधवार को नए उच्च स्तर पर पहुंच गई। बिटकॉइन में शुरुआती कारोबार में करीब आठ प्रतिशत का उछाल आया और यह 75,000 डॉलर को पार कर गया। इस तरह इसने मार्च में बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। दूसरी क्रिप्टोकरेंसी में भी उछाल आया और दुनिया की दूसरी सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी ईथर में आठ प्रतिशत की तेजी आई। ट्रंप पहले क्रिप्टोकरेंसी को लेकर संशय में थे, लेकिन चुनाव से पहले उन्होंने अपना विचार बदलते हुए क्रिप्टोकरेंसी की तरफदारी की।

अनुच्छेद 370 पर प्रस्ताव वापस लिए जाने तक जम्मू-कश्मीर विधानसभा चलने नहीं देंगे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि वह सदन की कार्यवाही तब तक चलने नहीं देगी जब तक तत्कालीन राज्य के विशेष दर्जे को बहाल करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश के निर्वाचित प्रतिनिधियों और केंद्र के बीच बातचीत करने संबंधी प्रस्ताव को वापस नहीं लिया जाता।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने कहा, यह एक अवैध प्रस्ताव है और जब तक वे इसे वापस नहीं लेते, हम अपना विरोध जारी रखेंगे और सदन की कार्यवाही नहीं चलने देंगे। उन्हें इसे वापस लेना होगा और फिर हम इस पर बहस करेंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव विधानसभा के सूचीबद्ध कामकाज का हिस्सा नहीं था और यह केंद्र शासित प्रदेश की नवनिर्वाचित सरकार की मानसिकता को दर्शाता है।

शर्मा ने कहा कि अनुच्छेद-370 के प्रवाधानों को लोकतंत्र के शीर्ष मंदिर संसद ने निरस्त किया है। इस अनुच्छेद में तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने का प्रावधान था। उन्होंने कहा, फिर कुछ लोगों ने संसद के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। अदालत ने संसद के फैसले को सही करार दिया। तो उन्हें यह प्रस्ताव

लाने का क्या संवैधानिक अधिकार है? हमने इसका कड़ा विरोध किया है और भाजपा अपना विरोध जारी रखेगी तथा इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। भाजपा नेता ने विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के एजेंट की तरह व्यवहार किया और आसन की गरिमा को 'तार-तार' किया। उन्होंने नेकां की सहयोगी कांग्रेस से भी प्रस्ताव पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा।

शर्मा ने कहा, कांग्रेस नेताओं को सामने आकर साफ-साफ बताना चाहिए कि वे इसका समर्थन करते हैं या नहीं। अगर वे इसका समर्थन करते हैं तो देश की जनता उनसे सवाल करेगी। अगर नहीं करते तो उनके छह विधायकों के बिना प्रस्ताव और सरकार दोनों अल्पमत में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वादा किया है कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा लेकिन ''हमें उचित समय का इंतजार करना होगा। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे केंद्र ने पांच अगस्त, 2019 को रद्द कर दिया था। चौधरी द्वारा पेश प्रस्ताव में कहा गया, यह विधानसभा विशेष दर्जे और संवैधानिक गारंटी के महत्व की पुष्टि करती है, जिसने जम्मू और कश्मीर के लोगों की पहचान, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा की तथा उसे एकतरफा तरीके से हटाए जाने पर चिंता व्यक्त करती है। प्रस्ताव में कहा, यह विधानसभा जोर देती है कि बहाली की किसी भी प्रक्रिया में राष्ट्रीय एकता और जम्मू-कश्मीर के लोगों की वैध आकांक्षाओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित होने के बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया जिसके मद्देनजर विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी।

सीबीआई ने 'डमी' विद्यालयों के खिलाफ की कार्रवाई, 21 विद्यालयों की संबद्धता वापस ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 'डमी' विद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुधवार को 21 विद्यालयों की संबद्धता वापस ले ली और छह स्कूलों का उच्चतर माध्यमिक का दर्जा घटाकर माध्यमिक कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम सितंबर में राजस्थान और दिल्ली के विद्यालयों में किए गए औचक निरीक्षण के बाद उठाया गया है, जिसमें कई खामियां पाई गई थीं।

सीबीएसई सचिव हिमांशु गुप्ता ने कहा, डमी या बिना-उपस्थित प्रवेश की प्रथा स्कूली शिक्षा के मूल उद्देश्य के विपरीत है, तथा इससे छात्रों के आधारभूत विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस मुद्दे के समाधान के लिए हम डमी विद्यालयों के प्रसार को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठा रहे हैं, तथा सभी संबद्ध संस्थानों को स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि वे डमी या बिना-उपस्थित प्रवेश स्वीकार करने के प्रलोभन का विरोध करें। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के संबंध में औचक निरीक्षण समितियों की महत्वपूर्ण टिप्पणियां संबंधित विद्यालयों को प्रेषित की गई। गुप्ता ने कहा, विद्यालयों द्वारा प्रस्तुत जवाबों की बोर्ड द्वारा विस्तार से जांच की गई। निरीक्षण निष्कर्षों और वीडियोग्राफी साक्ष्यों के आधार पर, 21 विद्यालयों की संबद्धता रद्द कर दी

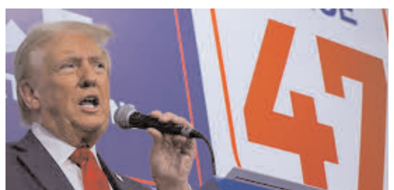

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका के साथ व्यापार में चीन से बेहतर स्थिति में होगा भारतः विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने से भारत के लिए नए अवसर खुलेंगे, हालांकि आयात और एच1बी वीजा नियमों पर अंकुश लगाने का फैसला हुआ तो फार्मा और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) जैसे कुछ क्षेत्रों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दोस्ती का भारत-अमेरिका संबंधों पर सकारात्मक असर पड़ेगा। हालांकि, भारत को आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों को बदलना पड़ सकता है।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा, ट्रंप का राष्ट्रपति बनना भारत के लिए एक नया अवसर हो सकता है। ट्रंप उन देशों पर शुल्क और आयात प्रतिबंध लगाएंगे, जिनके बारे में उन्हें लगता है कि वे अमेरिका के अनुकूल नहीं हैं। इनमें चीन और यहां तक कुछ यूरोपीय देश शामिल हैं। अगर ऐसा हुआ तो इससे भारतीय निर्यात के लिए बाजार खुल सकते हैं। बार्कलेज ने बुधवार को एक शोध रिपोर्ट में कहा कि व्यापार नीति के लिहाज से ट्रंप एशिया के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण हो सकते हैं। बार्कलेज ने कहा, हमारा अनुमान है कि ट्रंप के शुल्क प्रस्ताव चीन के सकल घरेलू उत्पाद में दो प्रतिशत की कमी लाएंगे – और क्षेत्र की बाकी अधिक खुली अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव डालेंगे। इसमें कहा गया कि भारत, इंडोनेशिया और फिलिपीन सहित ऐसी अर्थव्यवस्थाएं उच्च शुल्क के प्रति कम संवेदनशील होंगी, जो घरेलू बाजार पर अधिक निर्भर हैं। कुमार ने कहा कि ट्रंप भारत को एक मित्र देश के रूप में देखेंगे, और उनके रहते भारत में अमेरिकी कंपनियों के बड़े निवेश की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर ट्रंप की जीत भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत ही सकारात्मक घटना है। मद्रास स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के निदेशक एन आर भानुमूर्ति ने कहा, मुझे संदेह है कि ट्रंप भारतीय उत्पादों पर शुल्क लगाएंगे, क्योंकि अमेरिका के लिए चिंता भारत को लेकर नहीं, बल्कि चीन के बारे में अधिक है। दूसरी ओर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के व्यापार संरक्षणवादी विचारों का भारत के निर्यात पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

उत्तराखंडः पैठाणी में युवती का अश्लील वीडियो सार्वजनिक किए जाने के बाद सांप्रदायिक तनाव

पौड़ी/भाषा। उत्तराखंड के पौड़ी जिले के पैठाणी क्षेत्र में एक व्यक्ति ने एक युवती के कथित अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिए जिसके बाद लड़की बदनामी के डर से घर से भाग गई। इस घटना से क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया। पैठाणी में नाई की दुकान चलाने वाले शाहनवाज मिर्जा (24) की गिरफ्तारी के बावजूद स्थानीय व्यापारियों ने बुधवार को बाजार बंद रखे और दूसरे समुदाय की दुकानें नहीं खुलने दीं। पुलिस ने बताया कि तनाव को देखते हुए क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पौड़ी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार को थाना पैठाणी में एक स्थानीय व्यक्ति ने सूचना दी कि उसकी 21 वर्षीय साली बिना बताए घर से कहीं चली गई है और काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिल रही है।

पुलिस ने बताया कि शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गुमशुदा युवती को कोटद्वार से बरामद किया जिसके बाद पूछताछ में युवती ने बताया कि उसके कुछ कथित अश्लील फोटो और वीडियो मिर्जा के फेसबुक अकाउंट से सोशल मीडिया पर डाले गए हैं जिसके बाद बदनामी के डर के कारण वह घर से भाग गई थी।

जीडीपी वृद्धि पर आंकड़े मिले-जुले, लेकिन सकारात्मक कारक नकारात्मक से अधिक : दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

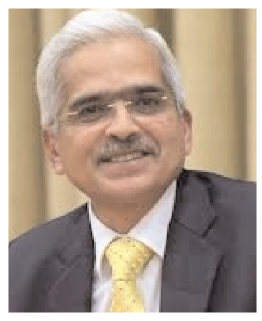

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बुधवार को कहा कि आर्थिक वृद्धि पर आने वाले आंकड़े मिले-जुले हैं, लेकिन सकारात्मक कारक नकारात्मक पहलुओं से अधिक हैं।

दास ने 'बिजनेस स्टैंडर्ड' के वार्षिक बीएफएसआई कार्यक्रम में कहा कि अंतर्निहित आर्थिक गतिविधियां कुल मिलाकर मजबूत बनी हुई हैं। उन्होंने कहा, जो आंकड़े आ रहे हैं, वे मिले-जुले हैं, लेकिन सकारात्मक पहलू नकारात्मक पहलुओं से अधिक हैं और कुल मिलाकर अंतर्निहित गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं।

गौरतलब है कि कई विश्लेषक वृद्धि के बारे में चिंता जता रहे हैं। ऐसा खासकर आधिकारिक आंकड़ों के आने के बाद हुआ, जब वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में वृद्धि दर 15 तिमाहियों के निचले स्तर 6.7 प्रतिशत पर आ गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) हालांकि 2024-25 के लिए 7.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि के अपने अनुमान पर कायम है, जबकि कुछ लोगों का मानना है कि यह सात प्रतिशत से कम रहेगी।

दास ने कहा कि आरबीआई अपने अनुमान पर पहुंचने के लिए 70 से अधिक उच्च आवृत्ति वाले संकेतकों पर नजर रखता है।

दास ने कहा कि औद्योगिक उत्पादन या आईआईपी के आंकड़े, और रोजमर्रा के उपभोग वाली वस्तुओं (एफएमसीजी) की शहरी मांग में नरमी है। इसके अलावा, सितंबर तिमाही में सब्सिडी खर्च में वृद्धि हुई है और इसका दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों पर असर पड़ेगा। उन्होंने सकारात्मक पहलुओं में जीएसटी ई-वे बिल, टोल संग्रह, हवाई यात्री यातायात और इस्पात तथा सीमेंट उद्योग के अच्छे प्रदर्शन का जिक्र किया।

आऊवा महिला मंडल की मासिक बैठक सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आऊवा जैन महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी दमयंती रमेश रायसोनी के सूरत स्थित निवास स्थान पर अध्यक्ष कांता रायसोनी के नेतृत्व में 'मातृभूमि से लगाव'विषय पर आयोजित हुई। पूर्व मंत्री बिन्दु रायसोनी ने कहा कि व्यक्ति के लिए अपनी मातृभूमि का विशेष महत्व होता है। यह वो जगह होती है, जहाँ व्यक्ति जन्म लेता है। जहाँ की मिट्टी में खेलकर वह बड़ा होता है। पूर्व अध्यक्ष मंजु चण्डालिया ने कहा कि आऊवा मण्डल से जुड़ा हर सदस्य आपसी सौहार्द व प्रेम के साथ अपनी भूमि से जुड़ा है। अध्यक्ष कांता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। सहमंत्री मंजु रायसोनी ने धन्यवाद दिया। वसंता रायसोनी, शंखेश्वरी बरलोटा, राखी सुंदेशा मुथा, तारा रायसोनी, रेखा रायसोनी आदि उपस्थित थीं।

महिलाओं ने स्कूली बच्चों को दी सत्य व ईमानदारी की शिक्षा

बेंगलूरु/दक्षिण भारतशहर के केंगेरी तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष सुमन पटावरी के निर्देशन में 'खुशी की राह' विषय कार्यशाला का छठा चरण सरकारी स्कूल केंगेरी में आयोजित हुआ जिसमें स्कूली बच्चों को 'सत्य और ईमानदारी' के बारे में जानकारी दी। पूनम दक ने नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम की शुरूआत की तथा बच्चों को कहानी के माध्यम से समझाया कि हमेशा हमें सत्य का साथ देना चाहिए। दीपिका देरासरिया ने महाप्राण ध्वनि का अभ्यास कराया गया। दीपिका दक ने सब बच्चों को खेल खिलाया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। बच्चों ने संकल्प किया कि वे सत्व व अहिंसा का पालन अवश्य करेंगे ।

जाति जनगणना होकर रहेगी, 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा की दीवार टूटेगी : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जाति आधारित जनगणना की एक बार फिर वकालत करते हुए कहा कि देश में यह कवायद होकर रहेगी और इस प्रक्रिया से दलितों, अन्य पिछड़ा वर्गों और आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय का पता चलेगा। उन्होंने कहा कि जाति आधारित जनगणना का वास्तविक अर्थ न्याय है और उनकी पार्टी 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा की 'दीवार को भी तोड़ेगी'।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नागपुर में संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरएसएस और सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा और उन पर संविधान पर हमला करने और इस तरह 'देश की आवाज' दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जाति आधारित जनगणना सामान्य श्रेणी के लोगों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और अन्य को न्याय देगी। राहुल गांधी ने कहा, जाति जनगणना से सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। हर किसी को पता चल जाएगा कि उनके पास कितनी ताकत है और उनकी भूमिका क्या है। गांधी ने कहा, हम 50% (आरक्षण सीमा) की दीवार भी तोड़ देंगे। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा तैयार किया संविधान सिर्फ किताब नहीं बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है, उसी तरह जाति जनगणना विकास का प्रतिमान है। उन्होंने कहा, इससे स्पष्टता आएगी और नया प्रतिमान बनेगा। इसलिए भाजपा और आरएसएस इस बारे में चर्चा कर रहे हैं कि उन्हें क्या रुख अपनाना चाहिए तथा जाति जनगणना पर क्या कहना चाहिए। राहुल ने कहा, मैं कहना चाहता हूं कि आप कुछ भी कर लें, जाति जनगणना होकर रहेगी। इस पर जो भी चर्चा करनी है कर लें या मीडिया में जो भी चल रहा है, भारत की जनता ने तय कर लिया है कि जाति जनगणना होकर रहेगी और 50% की दीवार टूटेगी। और यह आवाज धीरे-धीरे बढ़ रही है। हमारा काम है कि हम लोगों को समझाएं कि जाति जनगणना से ही संविधान की रक्षा होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, जब भी मैं जाति जनगणना की बात करता हूं, मोदी जी कहते हैं कि राहुल गांधी देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। हमें देश को बताना होगा कि हम देश के हाशिए पर पड़े 90 प्रतिशत से अधिक लोगों को न्याय दिलाने के लिए लड़ रहे हैं।

यह कार्यक्रम नागपुर के रेशमबाग इलाके में सुरेश भट्ट हॉल में आयोजित किया गया, जो आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के स्मारक डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर से सटा हुआ है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि संविधान समानता, एक व्यक्ति-एक वोट, सभी के लिए और हर धर्म, जाति, राज्य तथा भाषा के लिए सम्मान की बात करता है। उन्होंने कहा, लेकिन जब आरएसएस और भाजपा के लोग संविधान पर हमला करते हैं तो वे केवल इस पुस्तक पर हमला नहीं करते, बल्कि वे देश की आवाज पर हमला कर रहे होते हैं।

पंजाबः एक किलो 'आइस' और एक किलो हेरोइन जब्त, तीन लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने एक किलोग्राम 'मेथामेफ्टामाइन' और एक किलोग्राम हेरोइन बरामद करने के साथ ही तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मेथामेफ्टामाइन को 'आइस' या फिर 'क्रिस्टल मेथ' के नाम से भी जाना जाता है, जो एक तरीके का मादक पदार्थ है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीन लोगों की पहचान अमृतसर के भकना कलां गांव के रहने वाले करणदीप सिंह (22), तरनतारन के चोहला साहिब गांव के रहने वाले जीवन सिंह (19) और मनजिंदर सिंह (21) के रूप में हुई है।

अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अमृतसर के अजनाला रोड पर पुली सुआ के पास जांच चौकी बनाई और आरोपियों की कार से मादक पदार्थ बरामद करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच से पता चला कि करणदीप छह साल बाद पंजाब लौटने से पहले दुबई और मॉस्को में रह रहा था। यादव ने बताया लौटने के बाद करणदीप ने विभिन्न सोशल मीडिया ऐप का उपयोग कर पाकिस्तान में बैठे मादक पदार्थ तस्करों के साथ संपर्क स्थापित किया और सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी शुरू कर दी।

'सकरात्मक राजनीति' करें, परिवारों में मतभेद सामान्य बातः वाईएस विजयम्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी और आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला की मां वाईएस विजयम्मा ने कहा कि परिवारों के भीतर मतभेद होना सामान्य बात है। उन्होंने राजनीतिक विरोधियों से 'सकारात्मक राजनीति' करने का आग्रह किया।

संयुक्त आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वाईएस राजशेखर रेड्डी की पत्नी विजयम्मा ने हाल ही में एक वीडियो संदेश जारी कर हालिया दिनों में अपने परिवार के बारे में कथित रूप से प्रसारित 'झूठी खबरों' पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हाल ही में फैलाई जा रही कुछ झूठी खबरों से मेरा दिल दुखता है। वे मेरे दो साल पुराने कार एक्सीडेंट को मेरे बेटे से जोड़ रहे हैं और एक निराधार कहानी गढ़ रहे हैं।

विजयम्मा की यह अपील परिवार के भीतर तनाव और संपत्ति के बंटवारे को लेकर जारी विवाद के बीच आई है। विजयम्मा ने दावा किया कि उनके पोते-पोतियों से मिलने के बारे में भी झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं, यहां तक कि यह आरोप भी लगाया जा रहा है कि शर्मिला उनकी बेटी नहीं हैं। उन्होंने कहा, क्या किसी व्यक्ति के चरित्र पर इस तरह से लांछन लगाना जरूरी है? ऐसी बेतुकी कहानियां क्यों गढ़ी जा रही हैं? मुझे समझ नहीं आता कि उन्हें (विरोधियों को) कैसा महसूस होता है। विजयम्मा ने अपना, जगन और शर्मिला का जिक्र करते हुए इस बात पर जोर दिया कि पारिवारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के बीच के बुनियादी बंधनों को नहीं बदलते। उन्होंने कहा कि मतभेद एक बेटे को अपनी मां का बेटा या अपनी बहन का भाई बनने से नहीं रोकते।

ट्रंप के 'अमेरिका प्रथम' एजेंडा से भारतीय वाहन, कपड़ा, फार्मा सामान पर बढ़ सकता है शुल्कः विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने की संभावना के बीच यदि नया अमेरिकी प्रशासन 'अमेरिका प्रथम' एजेंडा को आगे बढ़ाने का फैसला करता है, तो भारतीय निर्यातकों को वाहन, कपड़ा और फार्मा जैसे सामान के लिए ऊंचे सीमा शुल्क का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों ने कहा कि ट्रंप एच-1बी वीजा नियमों को भी सख्त कर सकते हैं, जिससे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों की लागत और वृद्धि पर असर पड़ेगा।

भारत में 80 प्रतिशत से अधिक आईटी निर्यात आय अमेरिका से आती है, जिससे वीजा नीतियों में बदलाव के प्रति भारत संवेदनशील हो जाता है। अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। अमेरिका से भारत का वार्षिक कारोबार 190 अरब डॉलर से अधिक है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ट्रंप चीन के बाद अब भारत और अन्य देशों पर भी शुल्क लगा सकते हैं। ट्रंप ने पहले भारत को 'बड़ा शुल्क दुरुपयोगकर्ता' कहा था और अक्टूबर, 2020 में भारत को 'टैरिफ किंग' करार दिया था। उन्होंने कहा कि इन टिप्पणियों से पता चलता है कि ट्रंप का दूसरा कार्यकाल कठिन व्यापार वार्ता ला सकता है।

अराजकतावादी तत्वों का गठबंधन बना रहे हैं राहुल गांधी; देश के लिए खतरनाक : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सांगली (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी जो गठबंधन बना रहे हैं वह राज्य और देश के लिए खतरनाक है।

सांगली जिले के जाट विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार गोपीचंद पडलकर के लिए एक चुनाव प्रचार रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने गांधी के नेतृत्व वाले भारत जोड़ो अभियान को भारत तोड़ो अभियान करार दिया और आरोप लगाया कि अराजकतावादी और धुर वामपंथी संगठन इससे जुड़े हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि भारत के संविधान की लाल जिल्द वाली प्रति दिखाकर गांधीजी क्या संदेश देना चाहते हैं? फडणवीस ने कहा, आज राहुल गांधी महाराष्ट्र आए हैं (20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करने)....राहुल गांधी जिस तरह से गठबंधन कर रहे हैं, वह राज्य और देश के लिए खतरनाक है। भाजपा नेता ने दावा किया, 'भारत जोड़ो' नाम से एक पहल शुरू की गई थी। नाम देखकर लगा कि यह अच्छी पहल है, लेकिन बाद में पता चला कि भारत जोड़ो से जुड़े 150 से 200 संगठनों में से 100 संगठन देश में अराजकता फैलाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ये संगठन अति वामपंथी और अराजकतावादी हैं और अगर इनके पिछले रिकॉर्ड की जांच की जाए तो पता चलता है कि ये लोग समाज में अशांति फैलाने का काम कर रहे हैं। फडणवीस ने कहा कि ये संगठन संविधान और न्यायपालिका में समाज का विश्वास कम करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह भारत जोड़ो नहीं बल्कि 'भारत तोड़ो' आंदोलन था और मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि वह भारत का लाल रंग का संविधान क्यों दिखा रहे हैं और वह किस तरह का संदेश देना चाहते हैं? फडणवीस ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस भारतीय समाज के ताने-बाने को नष्ट कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वे महाराष्ट्र में अराजकता फैलाने के प्रयोग में लगे हुए हैं। लेकिन अगर जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है तो राज्य में अराजकता की जगह विकास होगा और समाज के अंतिम व्यक्ति का जीवन बदलेगा।

लोकायुक्त पुलिस ने मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से दो घंटे पूछताछ की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) स्थल आवंटन मामले में लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को मैसूरु में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से पूछताछ की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सिद्दरामय्या पूछताछ के लिए जारी समन के जवाब में यहां लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हुए और लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक (एसपी) टी. जे. उदेश के नेतृत्व में एक टीम के सवालों का जवाब दिया। लोकायुक्त अधिकारी ने कहा, पूछताछ करीब दो घंटे तक चली।

लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में आरोपी संख्या एक के रूप में नामित मुख्यमंत्री एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी पार्वती बी. एम.को 14 स्थलों का आवंटन किए जाने में अनियमितताओं के आरोपों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने 25 अक्टूबर को उनकी पत्नी से पूछताछ की थी, जिन्हें आरोपी संख्या दो बनाया गया है। सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी, उनके साले मल्लिकार्जुन स्वामी और देवराजू (जिनसे स्वामी ने जमीन खरीदकर पार्वती को उपहार में दी थी) तथा अन्य का नाम मैसूर स्थित लोकायुक्त पुलिस द्वारा 27 सितंबर को दर्ज की गई प्राथमिकी में दर्ज है। स्वामी और देवराजू पहले ही लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हो चुके हैं।

विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए यहां प्रदर्शन किया। भाजपा विधायक टी. एस. श्रीवत्स के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने सिद्दरामय्या की आलोचना की और उनसे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने तथा जांच का सामना करने को कहा।

उन्होंने इस बात पर हैरानी जताई कि मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए सिद्दरामय्या के खिलाफ निष्पक्ष जांच कैसे हो सकती है। लोकायुक्त जांच के तरीके पर संदेह व्यक्त करते हुए श्रीवत्स ने मांग की कि मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया जाना चाहिए।

लोकायुक्त पुलिस के समक्ष सिद्दरामय्या की पेशी के बाद भाजपा ने उनसे इस्तीफा मांगा

मैसूरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया, जो मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) स्थल आवंटन मामले में पूछताछ के लिए जारी समन के जवाब में लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हुए। भाजपा विधायक टी. एस. श्रीवत्स के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने सिद्दरामय्या की आलोचना की और उनसे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने तथा जांच का सामना करने को कहा।

उन्होंने इस बात पर हैरानी जताई कि मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए सिद्दरामय्या के खिलाफ निष्पक्ष जांच कैसे हो सकती है। लोकायुक्त जांच के तरीके पर संदेह व्यक्त करते हुए श्रीवत्स ने मांग की कि मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए हाथों में तख्तियां पकड़ रखी थीं।

लोकायुक्त पुलिस के सभी सवालों के जवाब दिए, सच बताया : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि उन्होंने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में लोकायुक्त पुलिस द्वारा पूछे गए सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं और उन्होंने उन्हें 'सच्चाई' बता दी है। मुख्यमंत्री को लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में आरोपी नंबर एक के तौर पर नामजद किया गया है और वह एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी पार्वती को 14 भूखंडों का आवंटन किए जाने में अनियमितता के आरोपों का सामना कर रहे हैं। लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को सिद्दरामय्या से करीब दो घंटे तक पूछताछ की।

पूछताछ के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''सब कुछ कानूनी रूप से हुआ है, भाजपा और जद (एस) झूठे आरोप लगा रहे हैं... मैंने लोकायुक्त पुलिस द्वारा मुझसे पूछे गए सभी सवालों के जवाब दिए हैं, उन्होंने इसे रिकॉर्ड किया है।''

उन्होंने कहा, ''...मेरे खिलाफ झूठा मामला बनाया गया, मुझसे सवाल किए गए, मैंने सच बता दिया है।''

संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में सिद्दरामय्या ने कहा, ''जब तक (किसी भी गलत काम के बारे में) अदालत का कोई फैसला नहीं आ जाता, मेरी छवि पर कोई दाग नहीं है। मेरे खिलाफ अब तक सिर्फ आरोप हैं। मैं ऐसे आरोपों का जवाब अदालत में और जांच के दौरान पुलिस को दूंगा।''

भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा ''सिद्दरामय्या वापस जाओ'' के नारे लगाने के बारे में पूछे जाने पर, मुख्यमंत्री ने कहा, स्नेहमयी कृष्णा (आरटीआई कार्यकर्ता) की याचिका क्या थी? राज्यपाल ने क्या कहा है? – जांच करने के लिए। यदि वे कहते हैं – सिद्दरामय्या वापस जाओ – तो क्या वे (भाजपा) जांच के खिलाफ हैं? इससे यह स्पष्ट होता है कि उन्होंने झूठे आरोप लगाए हैं।''

भाजपा द्वारा मुडा मामले की सीबीआई जांच की मांग करने तथा लोकायुक्त जांच पर संदेह जताने के बारे में पूछे जाने पर सिद्दरामय्या ने पूछा, सीबीआई किसके अधीन है? क्या भाजपा ने (राज्य में सत्ता में रहते हुए) सीबीआई को कोई मामला दिया है? विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाए जाने के बारे में पूछे जाने पर कि लोकायुक्त मुख्यमंत्री की मदद करने के लिए पूर्व–नियोजित तरीके से जांच कर रहे हैं, सिद्दरामय्या ने कहा कि लोकायुक्त एक स्वतंत्र एजेंसी है। उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि सीबीआई स्वतंत्र है, इसी तरह राज्य में लोकायुक्त भी एक स्वतंत्र एजेंसी है। वे (भाजपा) कानून का सम्मान नहीं करते।

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने प्राथमिकी रद्द करवाने के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, उनके बेटे निखिल कुमारस्वामी और सहयोगी सुरेश प्रभु ने बेंगलूरु पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी को रद्द कराने के लिए कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया है। कुमारस्वामी और उनके सहयोगियों द्वारा दाखिल याचिका में दावा किया गया है कि पुलिस महानिरीक्षक एम. चंद्रशेखर की शिकायत ''दुर्भावनापूर्ण'' और ''राजनीतिक मंशा'' से प्रेरित है।

चंद्रशेखर ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री कुमारस्वामी ने उन्हें (एक सरकारी कर्मचारी को) अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने पर धमकाया था। शिकायतकर्ता ने रेखांकित किया कि वह एक खनन मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल का नेतृत्व कर रहे थे, जिसमें कुमारस्वामी आरोपी हैं। कुमारस्वामी के खिलाफ जांच 2006 से 2008 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने के दौरान कथित तौर पर कानून का उल्लंघन कर बेल्लारी जिले में श्री साईं वेंकटेश्वर मिनरल्स (एसएसवीएम) को 550 एकड़ का खनन पट्टा अवैध रूप से मंजूरी देने से जुड़ा है।

समारोह

कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यूटी खादर फरीद ने एक प्रतिनिधि मंडल के साथ ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में 67वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के उद्घघाटन समारोह में भाग लिया। इस मौके पर असम राज्य विधान सभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी, सांसद दग्गुबाती पुरंदेश्वरी, डॉ. के. सुधाकर एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्टेट बैंक में कर्नाटक राज्य ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य स्थापना दिवस 1 नवम्बर के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, सेंट मार्क्स रोड में कर्नाटक राज्य ध्वजारोहण समारोह उपयुक्त रूप से मनाया गया। महाप्रबंधक (नेटवर्क 2) वी एन शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और कर्नाटक राज्य के ध्वज का ध्वजारोहण किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि स्टेट बैंक कर्नाटक की जनता को उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर रहा है और अपनी दैनिक बैंकिंग गतिविधियों में कन्नड़ का कार्यान्वयन कर रहा है। महाप्रबंधक (नेटवर्क 1) सुशील कुमार सिंह, उप महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी राजेश चौरे तथा स्टेट बैंक के अन्य शीर्ष अधिकारी, स्टाफ सदस्य एवं उनके परिवार सदस्य इस समारोह में उपस्थित रहे। कर्नाटक राज्य की स्थापना, कन्नड़ भाषा, कर्नाटक के ध्वज के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। इस अवसर पर एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्टाफ सदस्यों ने लोकप्रिय कन्नड़ गीत प्रस्तुत कर उपस्थित सभी दर्शकों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर स्टेट बैंक के पूरे परिसर को पीले एवं लाल रंग से सजाया गया।

बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के छात्रों का यूनाइटेड किंगडम (यूके) का शैक्षणिक दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर लिंगराज गांधी ने 6 नवम्बर को अकादमिक अध्ययन दौरे के लिए यूके रवाना होने की पूर्व संध्या पर स्कॉउट (स्कॉलर्स फॉर आउटस्टैंडिंग अंडरग्रेजुएट टैलेंट) कार्यक्रम के लिए चुने गए छात्रों और नामित शिक्षकों को सम्मानित किया। कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा परिषद, ब्रिटिश काउंसिल और चुनिंदा सार्वजनिक विश्वविद्यालयों ने स्कॉउट कार्यक्रम के तहत 9 से 23 नवम्बर तक लंदन, यूके की यात्रा के लिए तीस छात्रों और छह संकाय सदस्यों और स्काउट के दो अधिकारियों के लिए एक अध्ययन दौरे का आयोजन किया है। विश्वविद्यालय चयनित छात्रों के यात्रा व्यय को वहन करेगा तथा पूरे भ्रमण कार्यक्रम के दौरान समन्वय सुनिश्चित करेगा। वाणिज्य संकाय के डीन तथा स्काउट कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. के.आर. जलाजा छात्रों के साथ एक संरक्षक के रूप में मौजूद रहेंगे। बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के स्नातक छात्रों को दिया जाने वाला यह एक अनूठा अवसर है, जिससे छात्रों को अपने व्यावसायिक तथा शैक्षणिक कौशल को विकसित करने के लिए यू.के. शिक्षा का अनुभव प्राप्त होगा। कुलसचिव, कुलसचिव (मूल्यांकन), डीन तथा संकाय सदस्य सम्मान समारोह में उपस्थित थे।

रोड शो

शिग्गावी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव अभियान के तहत बुधवार को कार्यकर्ताओं की उत्साही भागीदारी के साथ सावनूर में एक रोड शो आयोजित किया गया। कर्नाटक भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज एस. बोम्मई, भाजपा प्रत्याशी भरत बोम्मई सहित प्रमुख लोग शामिल हुए। पार्टी नेताओं ने भाजपा प्रत्याशी को भारी बहुमत से जिताने की अपील की।

बेंगलूरु मेट्रो की ग्रीन लाइन के विस्तार का कल से वाणिज्यिक परिचालन शुरू होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के नम्मा मेट्रो की ग्रीन लाइन के नागासंद्रा से मदावरा तक 3.14 किलोमीटर लंबे हिस्से को सात नवंबर को वाणिज्यिक परिचालन के लिए खोल दिया जाएगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त (दक्षिणी सर्किल) द्वारा तीन अक्टूबर को इस खंड के गहन निरीक्षण के बाद वैधानिक मंजूरी मिलने पर यह कदम उठाया गया है।

बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के अनुसार, यह लाइन, परियोजना के दूसरे चरण के नागासंद्रा से मदावरा (बीआईईसी) तक 3.14 किलोमीटर की लंबाई में है और इसमें मजुनाथनगर, चिक्काबिदारकल्लू तथा मदावरा (बीआईईसी) तीन मेट्रो स्टेशन हैं। इस कार्य को 152 करोड़ रुपये की भूमि लागत समेत कुल 1,168 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया गया है। बीएमआरसीएल ने एक बयान में कहा, राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही साथ गुजर रही यह लाइन दो स्थानों पर एनआईसीई (नंदी इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर एंटरप्राइजेज) सड़क को पार करती है। इस लाइन के विस्तार से बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र (बीआईईसी), एक प्रमुख प्रदर्शनी केंद्र, बड़े आवासीय परिसरों और आस–पास के शहरों तक मेट्रो की आसान पहुंच बढ़ेगी, जिससे यात्रा का समय 30 प्रतिशत तक कम होगा। बीएमआरसीएल ने कहा, ''अनुमान है कि इस लाइन के खुलने से 44 हजार अतिरिक्त यात्रियों को लाभ मिलेगा। यह विस्तार बीआईईसी तक सीधी मेट्रो पहुंच प्रदान करेगा जो कर्नाटक में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों तथा प्रदर्शनियों का एक प्रमुख केंद्र है।'' बीएमआरसीएल ने कहा, ''इस खंड के संचालित होने के बाद बेंगलूरु में 69 स्टेशनों के साथ 76.95 किलोमीटर लंबी मेट्रो सुविधा होगी।

वर्ष 2026 तक सार्वजनिक सेवा के लिए 175 किलोमीटर नई मेट्रो लाइनें उपलब्ध रहेंगी : डीके शिवकुमार

1,130 करोड़ की लागत से 21 नई ट्रेनें जोड़ी गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, 2025 तक लगभग 30 किमी और 2026 तक 175 किमी नई मेट्रो लाइनें जनता के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी। उपमुख्यमंत्री बुधवार को मेट्रो ग्रीन लाइन पर नागसंद्रा से तुमकुर रोड पर मदावरा (बेंगलूरु अंतराष्ट्रीय और प्रदर्शनी केंद्र) तक विस्तारित नए मार्ग पर मेट्रो ट्रेन यातायात सेवाओं का निरीक्षण किया। इस मौके पर उनके साथ सांसद तेजस्वी सूर्या, नेलमंगला विधायक श्रीनिवासैया, दशरहल्ली विधायक मुनिराजू ने मेट्रो ट्रेन से यशवंतपुर मेट्रो स्टेशन से मदावरा तक यात्रा की। और बीएमआर सीएल के अधिकारियों से जानकारी ली।

बाद में उन्होंने मड़ावरा मेट्रो स्टेशन पर एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित किया।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि पहले से ही, 1,130 करोड़ की लागत से 21 नई ट्रेनों की नीलामी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नई ट्रेनें जल्द से जल्द सेवा के लिए उपलब्ध होंगी। हमने मेट्रो लाइन का पहला और दूसरा चरण पूरा कर लिया है और केंद्र सरकार तीसरे चरण के लिए सहमत हो गया है। जिस पर कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा, मंजूनाथ नगर स्टेशन पर सड़क पार करने के लिए पैदल यात्रियों के लिए फ्लाईओवर की सुविधा बनाई जा रही है। भारतीय रेलवे और हमारे मेट्रो संगठन ने संयुक्त रूप से पैदल यात्री फ्लाईओवर और अन्य सुविधाएं प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की है ताकि जनता यशवंतपुर स्टेशन पर बिना किसी बाधा के यात्रा कर सके।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय राजमार्ग एजेंसी के साथ मिलकर चिक्कबिदारकल्लू स्टेशन के पास एक अंडरपास बनाने की योजना तैयार की गई है। मदावरा मेट्रो स्टेशन के पास भी एक अंडरपास बनाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग एजेंसी से बातचीत की जा रही है। उन्होंने कहा, तुमकुर मार्ग से बेंगलूरु आने वाले लोग अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी मैदान में पार्क कर सकते हैं और बिना यातायात की भीड़ के शहर का भ्रमण कर सकते हैं और अपना काम जल्दी खत्म कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि नागसंद्रा से तीन किमी दूर मडावरा में बेंगलूरु अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र तक विस्तारित नई लाइन का व्यावहारिक रूप से जनता की सुविधा के लिए उद्घाटन किया गया है। जब मैं शहरी विकास मंत्री था तब मैंने पहले इस अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र परियोजना पर सहमति व्यक्त की थी। निकट भविष्य में सभी सांसदों और अन्य जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित करके विस्तारित मेट्रो लाइन का आधिकारिक उद्घाटन किया जाएगा।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष, अनुसंधान संगठन (निर्माण एवं रखरखाव ग्रुप)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक) प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु–560058, फैक्स : 080–28094180, फोन : 080–28094184, 4196, 4541, 4542

संक्षिप्त ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से इस्ट्रैक, इसरो, पीनिया,. बेंगलूरु –58 (फोन : 080–28094541, 4186) के समूह प्रमुख एनआईटी में निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई–निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

कार्य का नाम :	बेंगलूरु के पीनिया स्थित इस्ट्रैक, एससीसी परिसर में एमसीसी मौसम पफ्रु, केवल्स, अर्थिंग प्रणाली का प्रावधान	इस्ट्रैक, एससीसी परिसर में उपस्टेशन का उन्नयन, एमवी सहायक पैनलों की सामान्य आपूर्ति, प्रतिस्थापन और संवर्धन का प्रावधान
ई-निविदा सूचना सं :	इस्ट्रैक/सीएमजी/मैन्टेस/ई-निविदा - 58/2024-25 दिनांक: 06.11.2024	इस्ट्रैक/सीएमजी/सीओएन/ई-निविदा - 59/2024-25 दिनांक: 06.11.2024
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 15.26 लाख	रु. 26.44 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा
कार्यआदेश जारी होने की तारिख से 15वें दिन तक की गणना में महिनों में पूरा होने की अवधि	दो (02) माह	छह (06) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	07.11.2024 को 16.00 बजे से 22.11.2024 के 16.00 बजे तक	07.11.2024 को 16.00 बजे से 22.11.2024 के 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	08.11.2024 को 11.00 बजे से 23.11.2024 के 16.00 बजे तक	08.11.2024 को 11.00 बजे से 23.11.2024 के 16.00 बजे तक
निविदा स्पष्टीकरण देने के लिए अंतिम तारीख और समय	25.11.2024 को 16.00 बजे तक	25.11.2024 को 16.00 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	26.11.2024 को 16.00 बजे तक	26.11.2024 को 16.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	28.11.2024 को 16.00 बजे तक	28.11.2024 को 16.00 बजे तक
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	30,520/- रुपए	52,880/- रुपए

इच्छुक निविदाकार पात्रता मानदंड के लिए विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें और अन्य ब्यौरे के लिए वेबसाइट www.isro.gov.in देखें और www.tenderwizard.com/ISRO से निविदा प्रलेख डाउनलोड करें।

समूह प्रमुख-सीएमजी

रोजगारोन्मुखी कौशल एजुकेशन के साथ शिक्षा के क्षेत्र में निवेश पर होगा गहन मंथन : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कभी मरूभूमि के रूप में पहचान रखने वाला हमारा राजस्थान निरंतर प्रगति, समृद्धि और उन्नति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। राज्य के सामाजिक–आर्थिक विकास और जनता के हितोतार्थ 'राइजिंग राजस्थान' जैसा ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व आयोजन आयोजित होने जा रहा है। इससे पूर्व प्रदेश की शिक्षा में नवनिर्माण का मार्ग प्रशस्त करने, सकारात्मक परिवर्तन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न उद्देश्यों को साकार करने और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की दिशा में 6 नवंबर को होटल इंटरकॉन्टिनेंटल, जयपुर में एजुकेशन प्री–समिट 2024 का आयोजन किया गया । उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कौशल एवं उद्यमिता विभाग तथा खेल एवं युवा मामलात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह सम्मेलन न केवल शिक्षा क्षेत्र के भामाशाह, दानदाता, और हितधारकों को एक साथ लाएगा, बल्कि शिक्षा के भविष्य के विकास हेतु रणनीतियों और नवाचारों पर विचार–विमर्श का एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करेगा। कार्यक्रम में राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, राजस्थान सरकार, शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, कौशल नियोजन उद्यमिता विभाग, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी की अध्यक्षता और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर जी के कुशल नेतृत्व में हो रही इस प्री–समिट का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल, ई–लर्निंग, डिजिटल शिक्षा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नए शैक्षिक दृष्टिकोण, कौशल विकास की सहायता से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने के प्रयास, नवाचार और भविष्य की संभावनाओं के साथ–साथ शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर उच्च–स्तरीय मंथन करना है। यह समिट राज्य की राजकीय शिक्षा में सुधार और उन्नति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके बाद शिक्षा में नवनिर्माण का नया युग प्रारंभ होना सुनिश्चित किया जाने की उम्मीद है। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा विकास का मुख्य आधार होती है, शिक्षा में किया गया छोटा निवेश भी बड़ा प्रभाव लाता है। वह सबसे अहम होता है। उन्होने बताया कि प्री–समिट में 28 हजार करोड़ के 507 एमओयू किए गए हैं, जो शिक्षा, तकनीकी–उच्च शिक्षा, कौशल विकास व खेल में विकास की नई राह खोलेंगे। राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और हालांकि हमारे पास तैयारी के लिए सीमित समय था, लेकिन हम आपके सहयोग से इन पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने में सक्षम होंगे। हम 6 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। चाहे खनन हो, स्वास्थ्य हो या ऊर्जा, सभी क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 राजस्थान के लिए आर्थिक विकास के एक नए युग की शुरुआत करेगा।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में राजस्थान प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मुझे खुशी है कि इस आयोजन का उद्देश्य आर्थिक सहयोग नहीं बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि अपनी माटी से जुड़ने के लिए मैं राजस्थान के लोगों का, निवेशकों, भामाशाहों, दानदाताओं का आभार प्रकट करता हूं। शिक्षा जीवन की नींव होती है, जो भी मंजिलें तय की जाएंगी, यह उनका आधार होगी। हम शिक्षा के साथ संस्कार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कौशल नियोजन उद्यमिता विभाग, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि शिक्षा डिग्री के लिए नहीं जीवन के लिए होनी चाहिए। खेल अनुशासन, आत्मविश्वास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चीता परियोजना पर समन्वय के लिए मध्यप्रदेश-राजस्थान संयुक्त समिति का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/जयपुर। मध्यप्रदेश से चीतों के पड़ोसी राज्य राजस्थान में भटकने की घटनाओं के मद्देनजर, दोनों राज्यों की एक संयुक्त गलियारा प्रबंधन समिति का गठन किया गया है, जो चीतों के संरक्षण के लिए काम करेगी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने एक बयान में कहा कि समिति मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) और गांधी सागर अभयारण्य क्षेत्र से चीतों को भविष्य में स्थानांतरित करने के लिए उपयुक्त क्षेत्रों के विकास पर भी चर्चा करेगी और सुधार के उपायों की सिफारिश करेगी।

महत्वाकांक्षी चीता पुनरुत्पादन परियोजना के तहत 17 सितंबर, 2022 को श्योपुर जिले में केएनपी में आठ नामीबियाई चीतों को बाड़ों में छोड़ा गया। इसके बाद फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते पार्क में लाए गए। इस साल मई में केएनपी से एक चीता राजस्थान के करोली जिले में भटक गया था और बाद में उसे वापस मप्र लाया गया। दिसंबर 2023 में एक चीता राजस्थान के बारां जिले में भटक गया था और बाद में उसे वापस केएनपी लाया गया। अधिकारी ने बताया कि चीता परियोजना के कॉरिडोर प्रबंधन के लिए मध्यप्रदेश और राजस्थान के अधिकारियों की एक संयुक्त समिति गठित की गई है। यह समिति चीतों की आवाजाही और संरक्षण के लिए कॉरिडोर के विकास और प्रबंधन के बारे में अध्ययन के लिए मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर चर्चा करेगी और उसे तैयार करेगी।

अधिकारी ने बताया कि इसमें कुनो से राजस्थान तक मौजूदा गलियारे से होकर गुजरने वाले चीतों के प्रबंधन के लिए निगरानी, ङ्कङ्कगश्त और अन्य कार्यों में लगे अधिकारियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की क्षमता निर्माण पर चर्चा की जाएगी।

मध्यप्रदेश और राजस्थान के प्रधान मुख्य वन संरक्षक और मुख्य संरक्षक (वन्यजीव) को समिति का संयुक्त अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अधिकारी ने बताया कि समिति के सदस्यों के रूप में नामित अन्य अधिकारियों में मध्यप्रदेश और राजस्थान के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, निदेशक शिवपुरी, दोनों राज्यों के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के प्रतिनिधि और भारतीय वन्यजीव संस्थान , देहरादून द्वारा नामित एक प्रतिनिधि शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, केएनपी में पिछले दो वर्षों में भारतीय धरती पर 17 चीता शावकों का जन्म हुआ।

रणथंभौर अभयारण्य के 75 बाघों में से एक तिहाई लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बाघों के लिए विख्यात रणथंभौर राष्ट्रीय अभयारण्य में से पिछले एक साल के दौरान 75 में से 25 बाघ लापता हो गए। मुख्य वन्यजीव वार्डन पवन कुमार उपाध्याय ने सोमवार को अभयारण्य के अधिकारियों को यह जानकारी दी। यह पहली बार है जब एक साल में इतनी बड़ी संख्या में बाघों के लापता होने की आधिकारिक सूचना दी गई है। इससे पहले, जनवरी 2019 और जनवरी 2022 के बीच रणथंभौर से 13 बाघों के लापता होने की सूचना मिली थी।

वन्यजीव विभाग ने इतनी बड़ी संख्या में बाघों के लापता होने के मामले की जांच के लिए सोमवार को तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। यह समिति निगरानी रिकॉर्ड की समीक्षा करेगी और पार्क अधिकारियों की ओर से कोई चूक पाए जाने पर कार्रवाई की सिफारिश करेगी। समिति का मुख्य ध्यान उन 14 बाघों को खोजने पर रहेगा जो इस साल 17 मई से 30 सितंबर के बीच नहीं देखे गए हैं।

चार नवंबर को जारी एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि रणथंभौर के निगरानी आकलन से बाघों के लापता होने की रिपोर्ट बार–बार सामने आई है। इस आदेश में कहा गया है, ''पार्क के फील्ड डायरेक्टर को कई नोटिस भेजे जाने के बावजूद, हालात में खास सुधार नहीं हुआ है। 14 अक्टूबर, 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार 11 बाघ एक साल से अधिक समय से लापता हैं, जबकि 14 अन्य के बारे में हाल ही में सीमित साक्ष्य मिले हैं।'' इसके अनुसार, मौजूदा हालात को देखते हुए रणथंभौर में लापता बाघों की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की गई है। मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक उपाध्याय ने कहा, समिति दो महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। हमने निगरानी में कुछ कमियां चिन्हित की हैं जिन्हें हम दूर करना चाहते हैं। हाल ही में, मैंने साप्ताहिक निगरानी रिपोर्ट एकत्र करना शुरू किया, जिससे पता चला कि ये बाघ ट्रैप कैमरे पर रिकॉर्ड नहीं किए गए थे। इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि इस अभयारण्य में दबाव कम करने के प्रयासों में बफर जोन से गांवों को हटाना शामिल है, लेकिन इस दिशा में भी कोई खास प्रगति नहीं हुई है। आखिरी बार 2016 में गांवों को हटाया गया था। अभयारण्य के अधिकारियों ने कहा है कि रणथंभौर में बाघों को उनकी अधिक संख्या के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और उनमें इलाके को लेकर आए दिन लड़ाई होती है। यह अभ्यारण्य 900 वर्ग किलोमीटर में फैला है और यहां शावकों सहित 75 बाघ हैं।

वायुसेना का हेलीकॉप्टर आपात स्थिति में खेत में उतरा

जयपुर। भारतीय वायुसेना के एक हेलीकॉप्टर को बुधवार को मेड़ता के पास एक खेत में आपात स्थिति में उतरना पड़ा। इसमें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। मेड़ता के पुलिस उपाधीक्षक रामकरण सिंह ने बताया कि वायुसेना के रूद्र हेलीकॉप्टर को बुधवार दोपहर जसनगर पुलिस चौकी क्षेत्र के एक खेत में उतराना पड़ा। उन्होंने बताया कि वायुसेना के दो हेलीकॉप्टर जोधपुर से जयपुर जा रहे थे जिस दौरान एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी गड़बड़ी आने के कारण उसकी 'इमरजेंसी लैंडिंग' एक खाली खेत में करवाई गई। सिंह ने बताया कि वायु सेना के कर्मचारियों ने तकनीकी खामी दूर की और इसके बाद हेलीकॉप्टर यहां से रवाना हो गया।

लुंबाराम चौधरी से व्यापारी बोले-हाट बाजार से शहर में शांति व्यवस्था को खतरा, इसे बंद कराया जाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरोही। सांसद लुंबाराम चौधरी बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर आबूरोड पहुंचे। इस दौरान सामूहिक व्यापार संगठन के बैनर तले व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर आबूरोड में हर महीने 14 तारीख को लगने वाले मासिक हाट बाजार को तत्काल प्रभाव से बंद करवाने की मांग की। साथ ही व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं की ओर भी उनका ध्यान आकर्षित किया गया।

सांसद लुंबाराम चौधरी से मुलाकात के दौरान व्यापारियों ने बताया कि आबूरोड के गांधीनगर क्षेत्र में हर माह 14 तारीख को मासिक हाट बाजार लगता है। इस बाजार में समीपवर्ती गुजरात के विभिन्न स्थानों से व्यापारी अपने उत्पाद बेचने के लिए आते हैं। इस मासिक हाट बाजार में बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए आते हैं। व्यापारियों का कहना है कि इस बाजार में पिछले काफी समय से असामाजिक गतिविधियां बढ़ रही हैं, जिससे शहर की शांति व्यवस्था को खतरा उत्पन्न हो गया है और आमजन में असुरक्षा का माहौल बन गया है।

व्यापारियों ने ज्ञापन देकर शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस मासिक हाट बाजार को तत्काल प्रभाव से बंद करवाने की मांग की है।

साथ ही, व्यापारियों ने गांधीनगर समपार फाटक पर बने ओवरब्रिज पर शाम के समय अंधेरा होने के कारण गांधीनगर क्षेत्र के निवासियों को आवाजाही में होने वाली परेशानी का समाधान करने के लिए वहां पर स्ट्रीट लाइटें लगवाने की भी मांग की।

ज्ञापन में रेलवे प्रशासन द्वारा हाल ही में बाजार में आने वाले मार्गों पर टीनशेड लगाकर बंद करने पर आपत्ति जताते हुए इन मार्गों को पुनः खोलने की भी मांग की गई है। इस दौरान व्यापारियों की अन्य समस्याओं की ओर भी ध्यान आकर्षित कर राहत प्रदान करने की मांग की गई। इस अवसर पर सामूहिक व्यापार संगठन के अध्यक्ष सुकेश कुमार गोयल और महामंत्री ओमप्रकाश सैनी सहित अन्य व्यापारी भी मौजूद रहे।

राजापार्क पंचवटी सर्किल पर बदमाशों ने उड़ाए 2 करोड़ के आईफोन और गैजेट्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह चार बजे एक साहसी चोरी की वारदात ने पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पंचवटी सर्किल स्थित एक मोबाइल शोरूम से तीन बदमाश लगभग 20 मिनट में ही दो करोड़ रुपये के एप्पल गैजेट्स, आईफोन, मैकबुक, टैब और स्मार्टवॉच चुराकर फरार हो गए। हैरानी की बात है कि शोरूम से महज 500 मीटर की दूरी पर ही पुलिस स्टेशन स्थित है, लेकिन इस दौरान पुलिस की ओर से कोई हस्तक्षेप नहीं हुआ।

दुकान मालिक रविंद्र सिंह ने बताया कि रात करीब 3:30 बजे तीन बदमाश बाइक पर आए थे। कुछ देर तक शोरूम के बाहर रैकी करने के बाद उन्होंने शटर तोड़ दिया और अंदर घुसकर ताबड़तोड़ लूटपाट शुरू कर दी। सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि दो बदमाशों ने चेहरे ढके हुए थे और वे बैग लेकर आए थे, जिसमें उन्होंने शोरूम से चुराए 272 गैजेट्स भर लिए।

आरोपियों ने 20 मिनट के भीतर ही सारा माल समेटकर फरार होने में कामयाबी हासिल की।

चोरी का पता सुबह उस समय चला जब स्थानीय लोगों ने शोरूम का टूटा हुआ शटर देखा और दुकान मालिक व पुलिस को सूचना दी। एसीपी शिवकुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीनों बदमाशों के स्केच तैयार कर अन्य थानों में सर्कुलेट कर दिए गए हैं, और विभिन्न टीमों को आरोपियों की तलाश में लगाया गया है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ भी शुरू कर दी है, लेकिन इतनी बड़ी चोरी के बावजूद अब तक आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिला है।

इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 500 मीटर की दूरी पर पुलिस स्टेशन होने के बावजूद इतने बड़े पैमाने पर हुई चोरी से स्थानीय लोग भी चिंतित हैं।

योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन और लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 06 नवंबर। निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता बचनेश कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में बुधवार को अंबेडकर भवन स्थित निदेशालय के सभागार में विभिन्न योजना प्रभारियों और जिलाधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निदेशक ने अधिकारियों की कार्य–प्रणाली को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ सही जरूरतमंद व्यक्ति को मिलना चाहिए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को छात्रवृत्ति योजना के तहत लंबित आवेदनों एवं छात्रवृत्ति संबंधित आपत्तियों का निस्तारण प्रभावी तरीके से करने के निर्देश दिए। उन्होंने 75% से कम छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणों का निस्तारण करने वाले जिलाधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की छात्रवृत्ति पोर्टल पर अधिक से अधिक शैक्षणिक संस्थाओं का रजिस्ट्रेशन करवाए। अग्रवाल ने सभी जिलाधिकारियों को लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रेषित करने और एट्रोसिटी से संबंधित लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन और पालनहार योजना में वार्षिक भौतिक सत्यापन से शेष रहे प्रकरणों का समयबद्ध सत्यापन किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा से अनुमोदन के बाद ही पेंशनर्स की पेंशन बंद करने या उसका नाम हटाने की प्रक्रिया अपनाई जाए। इसके अतिरिक्त अग्रवाल ने नशा मुक्त भारत अभियान, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीकरण, संपर्क पोर्टल, ई फाइलिंग के निस्तारण सहित अन्य विभागीय योजनाओं की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

भारत और राजस्थान में महिलाएं सुरक्षित : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत और राजस्थान में महिलाएँ पूरी तरह से सुरक्षित हैं। भारत और राजस्थान में महिलाओं की सुदृढ़ता के लिये अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। केन्द्र एवं राजस्थान राज्य की सरकार महिलाओं के प्रति सभी प्रकार के भेदभाव और हिंसा को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में प्रभावी कानून और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केन्द्र व राज्यों में महिलाओं की सुदृढ़ता के लिए चलाई जा रही योजनाओं से लिंग आधारित हिंसा को खत्म करने और भेदभाव का मुकाबला करने के साथ ही महिलाओं की सुरक्षा के लिए सम्पूर्ण राष्ट्र में नया वातावरण बना है।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बुधवार को आस्ट्रेलिया के सिडनी में आयोजित राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने भेदभावपूर्ण कानून का मुकाबला–लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ 365 की सक्रियता, संसदीय प्रक्रियाओं और परम्पराओं में कृत्रिम बुद्धिमता के उपयोग अवसर और चुनौतियां तथा मानकीकरण , मानक और दिशानिर्देश– सर्वोत्तम परम्पराओं को अपनाने के माध्यम से संसद को मजबूत बनाने आदि विषयों पर सम्मेलन को संबोधित किया। लिंग आधारित भेदभाव समाप्त करने के लिए भारत प्रतिबद्ध– देवनानी ने कहा कि भारत और राजस्थान लिंग आधारित भेदभाव समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए केन्द्र और राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए चलाई जा रही योजनाओं में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है।

गांवों मे डेयरी गतिविधियों को बढ़ाने व अधिकाधिक पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय से जोड़ने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार को उदयपुर सरस डेयरी का अवलोकन किया। मंत्री कुमावत ने यहां दुग्ध की प्रोसेसिंग, गुण नियंत्रण, दुग्ध उत्पाद निर्माण अनुभाग का अवलोकन कर उदयपुर दुग्ध संघ द्वारा उत्पादित घी, छाछ, लस्सी, पनीर, श्रीखंड, फ्लेवर्ड मिल्क, कुल्फी, मावा एवं पेड़ा निर्माण प्रक्रिया की जानकारी ली एवं उदयपुर दुग्ध संघ द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना की। उन्होंने परिसर मे स्थित शबरी पार्लर का विस्तार कर इसे आकर्षक एवं सुंदर बनाने को कहा। उन्होंने गांवों मे डेयरी गतिविधियों को बढाने, अधिक से अधिक पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय से जोड़ने तथा दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता बरकरार रखने पर जोर दिया। उन्होंने अन्य डेरियों की तर्ज पर नवाचार करने का सुझाव दिया। प्रारंभ में दुग्ध संघ के अध्यक्ष डालचंद डांगी ने मंत्री कुमावत का साफा एवं उपरणा पहनाकर स्वागत किया। प्रबंध संचालक विपिन शर्मा ने संघ के समस्त कार्यकलापों व प्रगति से अवगत कराया और संघ द्वारा दुग्ध उत्पादकों के लिये चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

रातोंरात बुलडोजर लाकर मकान नहीं गिरा सकते : शीर्ष अदालत ने उप्र सरकार से नाखुशी जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को 2019 में अवैध तरीके से ढांचों को गिराने को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार से नाखुशी जताई और सड़कें चौड़ी करने एवं अतिक्रमण हटाने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश जारी किए।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने उत्तर प्रदेश को निर्देश दिया कि उस व्यक्ति को 25 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए जिसका घर 2019 में सड़क चौड़ी करने की एक परियोजना के लिए गिरा दिया गया था। पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार के वकील से कहा, आप ऐसा नहीं कर सकते कि बुलडोजर लेकर आएं और रातों रात भवनों को गिरा दें। आप परिवार को घर खाली करने के लिए समय नहीं देते। घर में रखे घरेलू सामान का क्या?''

शीर्ष अदालत की पीठ ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव से कहा कि महाराजगंज जिले में मकान गिराने से संबंधित मामले में जांच कराई जाए और उचित कार्रवाई की जाए। पीठ ने उन कदमों के बारे में भी विस्तार से बात की जो किसी राज्य को सड़क चौड़ी करने की परियोजना के संदर्भ में कार्रवाई से पहले उठाने चाहिए। तदनुसार, शीर्ष अदालत ने राज्यों से कहा कि वे अभिलेखों या मानचित्रों के आधार पर सड़क की मौजूदा चौड़ाई का पता लगाएं तथा सर्वेक्षण करें, जिससे सड़क पर यदि कोई अतिक्रमण है तो उसका पता चल सके। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि सड़क पर अतिक्रमण का पता चलता है तो राज्य को इसे हटाने से पहले अतिक्रमण करने वाले को नोटिस जारी करना होगा और यदि नोटिस की सत्यता और वैधता पर आपत्ति जताई जाती है तो राज्य प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए 'स्पीकिंग ऑर्डर' (कारण सहित आदेश) जारी करेगा।

पीठ ने कहा कि यदि आपत्ति को खारिज कर दिया जाता है तो संबंधित व्यक्ति को अतिक्रमण हटाने के लिए एक तर्कसंगत नोटिस दिया जाएगा।

पीठ ने कहा कि यदि संबंधित व्यक्ति इसका अनुपालन नहीं करता, तो सक्षम प्राधिकारी अतिक्रमण हटाने के लिए कदम उठाएंगे, जब तक कि सक्षम प्राधिकारी या अदालत के आदेश से रोक न लगाई जाए।

पीठ ने कहा कि ऐसे मामले में जहां सड़क की मौजूदा चौड़ाई, जिसमें उससे सटी राज्य की भूमि भी शामिल है, सड़क चौड़ीकरण के लिए पर्याप्त नहीं है, तो राज्य इस कार्रवाई को शुरू करने से पहले कानून के अनुसार अपनी भूमि का अधिग्रहण करने के लिए कदम उठाएगा।

इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ भटनागर और अधिवक्ता शुभम कुलश्रेष्ठ पक्ष रख रहे थे। अदालत ने उनका पक्ष सुनते हुए कहा, यह स्पष्ट है कि मकान गिराने की प्रक्रिया पूरी तरह मनमानी थी और कानून का पालन किए बिना इसे अंजाम दिया गया। सुनवाई के दौरान पीठ को संबंधित क्षेत्र में 123 ढांचों को गिराए जाने के बारे में सूचित किया गया।

ओडिशा: बीजद की पूर्व विधायक सुनंदा दास भाजपा में शामिल

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) की पूर्व विधायक सुनंदा दास और उनके पति देबेन्द्र दास बुधवार को यहां भाजपा में शामिल हो गए। सुनंदा दास, 2019 से 2024 तक जाजपुर जिले के बारी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक रही थीं। उन्होंने विपक्षी पार्टी बीजद से पिछले हफ्ते इस्तीफा दे दिया था। इस बार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए बीजद ने उन्हें टिकट देने से मना कर दिया था।

दंपती यहां भाजपा के प्रदेश प्रमुख मनमोहन समल और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। सुनंदा दास ने पिछले हफ्ते बीजद से इस्तीफा देते हुए आरोप लगाया था कि सरकारी अधिकारियों ने इस साल हुए लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान बीजद के टिकट बांटे थे। उन्होंने एक स्थानीय टेलीविजन चैनल से कहा था, हमें (टिकट के आकांक्षियों को) टिकट के लिए अधिकारियों से मिलने को कहा गया था। मैं दो आईपीएस अधिकारियों से मिली थी और मुझे पार्टी के टिकट का भरोसा दिलाया गया था। हालांकि, उन्होंने आखिरी क्षणों में मुझे टिकट देने से मना कर दिया।

झारखंड में 'इंडिया' गठबंधन की गारंटी 'फुस्स बम' की तरह : केंद्रीय मंत्री चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' की गारंटी को बुधवार को 'झूठ' और 'फुस्स बम' करार दिया। चौहान ने पत्रकारों से बात करते दावा किया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस ने पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भी वादे किए थे, लेकिन उनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ।

चौहान ने कहा, उन्होंने (झामुमो और कांग्रेस ने) कहा था कि वे पांच लाख सरकारी नौकरियां देंगे, लेकिन नहीं दीं। उन्होंने चूल्हा-खर्च (घरेलू खर्च) के लिए 2,000 रुपए मासिक देने का वादा किया, लेकिन नहीं दिए। वे चुनाव से ठीक दो महीने पहले 1,000 रुपए देने की योजना लेकर आए। उन्होंने बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया, मगर नहीं दिया। भाजपा नेता ने कहा कि इन दलों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बोनस देकर धान की फसल खरीदने का वादा किया था, लेकिन यह भी नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, झामुमो ने (पिछले विधानसभा चुनाव में) 117 वादे किए थे, कांग्रेस ने 344 वादे किए थे। पिछले पांच सालों में उनमें से एक भी पूरा नहीं हुआ और अब वे नए वादे लेकर आए हैं। ये गारंटी फुस्स बम की तरह हैं जो कभी नहीं फूटते और लोगों को उन पर कोई भरोसा नहीं है। चौहान ने कहा कि वहीं, भाजपा अपने सभी वादे पूरे करती है, जैसा कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा में देखा गया है।

निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तथ्यों की जांच कर लें राहुल: नेता प्रतिपक्ष के लेख पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ 'बेबुनियाद आरोप' लगाने के लिए बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की आलोचना की और उनसे किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तथ्यों की जांच करने की सलाह दी।

सत्तारूढ़ भाजपा की प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब राहुल गांधी ने कहा कि ईस्ट इंडिया कंपनी भले ही सैकड़ों साल पहले खत्म हो गई हो, लेकिन उसने जो डर पैदा किया था, वह आज फिर से दिखाई देने लगा है और एकाधिकारवादियों की एक नई पीढ़ी ने उसकी जगह ले ली है। कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए भाजपा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, तथाकथित 'मैच फिक्सिंग एकाधिकार समूहों बनाम फेयर-प्ले बिजनेस' के माध्यम से मोदी सरकार के खिलाफ एक और निराधार आरोप बस भ्रामक है। भाजपा ने परोक्ष रूप से राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, प्रिय बालक बुद्धि, तथ्यों की जांच किए बिना जल्दबाजी में निष्कर्ष पर मत पहुंचें।

डोनाल्ड ट्रंप की जीत से भारत-अमेरिका संबंध और मजबूत होंगे : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी के बाद भारत और अमेरिका के संबंध और मजबूत होंगे क्योंकि दोनों देशों के बीच सहयोग पर्यावरण से लेकर प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र तक फैला हुआ है।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में ट्रंप ने अमेरिकी विदेश नीति में सुधार की बात कही थी, जिसमें 'अमेरिका फर्स्ट (प्रथम)' के सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। उन्होंने विदेशी वस्तुओं पर शुल्क लगाने की भी बात की थी जिसे लेकर नई दिल्ली में चिंताएं बढ़ गई थीं। सिंधिया की टिप्पणी से संकेत मिलता है कि भारत इस बात को लेकर आशावादी है कि वह दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे मजबूत सैन्य ताकत के साथ निर्बाध व्यापार और आर्थिक संबंध बनाए रखेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ट्रंप को चुनाव में उनकी जीत पर बधाई देने के बाद भारत सरकार के किसी महत्वपूर्ण मंत्री द्वारा की गई यह पहली टिप्पणी है। अमेरिका भारत

का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार भी है, जिसका कुल वार्षिक व्यापार 190 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है। सिंधिया ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी और निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका-भारत संबंध बहुत मजबूत आधार पर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में भारत-अमेरिका संबंध मजबूत हुए हैं और दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ा है और आर्थिक प्रगति हुई है।

ट्रंप के आने के बाद पेरिस समझौते का भविष्य अधर में : रमेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत सुनिश्चित होने के बाद बुधवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन से जुड़े वर्ष 2015 के पेरिस समझौते का भविष्य अधर में पड़ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि अमेरिका फिर से इस समझौते से पीछे हट गया, तो यह विनाशकारी होगा। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, डोनाल्ड ट्रंप ने आश्चर्यजनक वापसी की है। निस्संदेह, ऐसा क्यों और कैसे हुआ, इसका अगले कुछ हफ्तों में विस्तार से विश्लेषण किया जाएगा। साथ ही यह सवाल भी उठेगा कि इस वापसी का अमेरिका और बाकी दुनिया के लिए क्या मतलब है। उन्होंने कहा, यह निश्चित है कि जलवायु परिवर्तन पर 2015 के पेरिस समझौते का भविष्य अब अधर में है। यदि अमेरिका फिर से इस समझौता से पीछे हट गया, तो यह विनाशकारी होगा।

पिछली 'डबल इंजन' सरकार ने झारखंड को पीछे धकेल दिया : झामुमो विधायक कल्पना सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की विधायक कल्पना सोरेन ने बुधवार को आरोप लगाया कि भाजपा की पिछली 'डबल इंजन' सरकार ने राज्य को आगे बढ़ाने के बजाय पीछे धकेल दिया। उन्होंने दावा किया कि झारखंड में पिछली भाजपा सरकार के दौरान हजारों स्कूल बंद कर दिए गए और गरीबों के राशन कार्ड रद्द कर दिए गए।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना रांची के सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया, भाजपा की पिछली डबल इंजन सरकार ने झारखंड को आगे बढ़ाने के बजाय पीछे धकेल दिया। हजारों स्कूल बंद कर दिए गए और राशन कार्ड रद्द कर दिए गए।

कल्पना ने कहा कि मौजूदा झामुमो सरकार ने गरीबों को 20 लाख ग्रीन राशन कार्ड मुहैया कराए। उन्होंने कहा, गरीब बच्चों को निजी विद्यालयों की ही तरह शिक्षा मुहैया कराने के लिए राज्य में 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' की शुरुआत की गई। कल्पना ने कहा कि झारखंड में करीब 40 लाख लोग पेंशन का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, पिछले दो वर्षों में झारखंड में करीब 27 लाख लोगों को पेंशन योजना में शामिल किया गया और उन्हें सरकारी खजाने से 1,000 रुपए पेंशन दी जा रही है।

कल्पना सोरेन ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य के अधिकारों और पहचान के लिए लड़ रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने झारखंड को लूटा और प्रदेश के संसाधनों को पार्टी शासित दूसरे राज्यों में भेज दिया।

शारदा सिन्हा के बेटे को अपनी मां को मरणोपरांत पद्म विभूषण मिलने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। 'बिहार कोकिला' के नाम से प्रख्यात लोक गायिका शारदा सिन्हा के बेटे अंशुमान ने बृहस्पतिवार को इच्छा जताई कि उनकी दिवंगत मां को मरणोपरांत देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित करने पर विचार किया जाए। लंबे समय से मायलोमा (एक तरह का रक्त कैंसर) से जूझ रहीं सिन्हा का मंगलवार रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 72 साल की थीं।

अंशुमान ने पटना के राजेंद्र नगर स्थित पारिवारिक आवास (कंकड़बाग के पास) पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान उम्मीद जताई कि उनकी दिवंगत मां को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित करने पर विचार किया जाएगा। सिन्हा का पार्थिव शरीर उनके इसी आवास में रखा गया है, जहां बड़ी संख्या में प्रशंसक और शुभचिंतक लोक गायिका के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। अंशुमान ने कहा, उन्होंने (शारदा सिन्हा ने) बहुत कुछ किया और वह बिहार ही नहीं, बल्कि देश के बाहर भी बेहद लोकप्रिय थीं। इस संबंध में हमारी कोई शिकायत या मांग नहीं है, लेकिन हमें हमेशा लगता है कि उन्हें पद्म विभूषण से नवाजा जाना चाहिए था।

शारदा सिन्हा को पद्मश्री और पद्म भूषण से पहले ही सम्मानित किया जा चुका था।

लोकसभा चुनावों के दौरान विपक्ष ने झूठ फैलाया, जिसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ा : अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारामती/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार को कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के घटक दलों को लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष द्वारा संविधान के संबंध में फैलाए गए झूठे विमर्श का खामियाजा भुगतना पड़ा।

हालांकि, अजित ने कहा कि सरकार की जन-केंद्रित योजनाओं की वजह से महायुति के महाराष्ट्र में सत्ता में बने रहने के लिए अनुकूल माहौल है, जबकि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ऐसे वादे कर रहा है, जिन्हें वह पूरा नहीं कर सकता। उन्होंने विश्वास जताया कि वह बारामती विधानसभा सीट पर एक बार फिर जीत दर्ज करेंगे। उपमुख्यमंत्री अपने गृह क्षेत्र बारामती में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का घोषणापत्र जारी करने के बाद बोल रहे थे। शिवसेना और भाजपा के साथ महायुति गठबंधन में शामिल उनकी पार्टी (राकांपा) राज्य की 52 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होना है। राकांपा ने उन सभी सीट के लिए निर्वाचन क्षेत्र-विशिष्ट घोषणापत्र भी जारी किया है, जिन पर वह चुनाव लड़ रही है। अजित बारामती से फिर से किस्मत आजमा रहे हैं, जबकि उनके चाचा शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने इस सीट से युगेंद्र पवार को मैदान में उतारा है। युगेंद्र अजित पवार के भतीजे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने छठ पर्व पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छठ पूजा पर बुधवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह पर्व सभी को पर्यावरण की रक्षा एवं संरक्षण करने के लिए प्रेरित करता है।

उन्होंने कहा, छठ पूजा, जो देश के सबसे पुराने पर्व में एक है, सूर्य की पूजा करने का अवसर है। इस पर्व पर, प्रकृति के अनूठे उपहार नदियों और तालाबों की भी पूजा की जाती है। कठोर उपवास के जरिये यह पर्व हमारे मन और आत्मा को शुद्ध करता है।

मुर्मू ने कहा, यह पर्व हमें हमारे पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण करने के लिए प्रेरित करता है। राष्ट्रपति ने कहा, छठ पूजा के अवसर पर, भगवान सूर्य, हमारी नदियों और प्रकृति के उपहार के प्रति अपनी आस्था दोहराएं। यह पर्व हमारे जीवन में खुशियां लाए और प्रकृति के प्रति हमारी श्रद्धा बढ़ती रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संदेश में कहा, आस्था के महापर्व, छठ पूजा के पावन अवसर पर, मैं सभी नागरिकों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं।

ओडिशा में आग लगने से 90 वर्षीय महिला और बेटी की मौत

संबलपुर/भाषा। ओडिशा के संबलपुर जिले के एक घर में आग लगने से 90 वर्षीय एक महिला और उनकी बेटी की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना जिले के संबलपुर सदर थाने के अंतर्गत हाटपाड़ा इलाके में मंगलवार रात को उस समय हुई जब दोनों सो रही थीं।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान स्नेहलता दीक्षित (90) और सैरेंद्री दीक्षित (62) के रूप में हुई है। बुजुर्ग महिला और उनकी 62 वर्षीय बेटी दो मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर रहती थीं। उन्होंने बताया कि महिला का बेटा अपने परिवार के साथ इमारत के भूतल पर रहता है। अधिकारी के मुताबिक, मंगलवार रात 10 बजे से 11 बजे के बीच इमारत की पहली मंजिल पर आग लगी, जिसकी सूचना लोगों ने पुलिस को दी।

ऋषभ पंत आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच पायदान के उछाल से छठे स्थान पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पिछले हफ्ते मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में प्रदर्शन के बूते बुधवार को ताजा जारी आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच पायदान के फायदे से छठे स्थान पर पहुंच गए। पंत ने मुंबई टेस्ट के दौरान दो अर्धशतकीय पारियां खेलीं, हालांकि भारत तीसरे और अंतिम टेस्ट में हार से श्रृंखला 0-3 से गंवा बैठा। इस प्रदर्शन से पंत को रैंकिंग में फायदा हुआ जो संकेत है कि वह गंभीर कार दुर्घटना के बाद अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापसी कर चुके हैं। अब यह बायें हाथ का बल्लेबाज जुलाई 2022 में रैंकिंग में हासिल किए गए अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान से महज एक कदम पीछे है।

शीर्ष टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाजों में बायें हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी मौजूद हैं जो एक पायदान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। न्यूजीलैंड ने मुंबई में 25 रन की करीबी जीत से श्रृंखला में वाइटवाश किया जिससे शीर्ष 10 टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पंत और

दौरा करने वाली टीम के डेरिल मिचेल को फायदा हुआ। मिचेल आठ पायदान की छलांग से सातवें स्थान पर पहुंच गए, उन्होंने मुंबई टेस्ट में भारत के खिलाफ पहली पारी में 82 रन की पारी खेली जिससे वह टीम के साथी केन विलियमसन (दूसरे स्थान) के साथ शामिल हो गए जो न्यूजीलैंड के शीर्ष 10 में मौजूद एकमात्र खिलाड़ी थे। इंग्लैंड के दायें हाथ के बल्लेबाज जो रूट ने सूची में शीर्ष पर अपनी बढ़त बरकरार रखी है जिसमें विलियमसन, हैरी ब्रुक (तीसरे), जायसवाल (चौथे) और स्टीव स्मिथ (पांचवें) उनके लिए चुनौती हैं।

भारत के शुभमन गिल ने मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली पारी में 90 रन की पारी खेली जिससे वह चार पायदान के लाभ से 16वें स्थान पर पहुंचे जबकि न्यूजीलैंड के 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' विल यंग 29 पायदान की उछाल से 44वें स्थान पर काबिज होने में सफल रहे। रविंद्र जडेजा न्यूजीलैंड के खिलाफ 10 विकेट लेने से टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में दो पायदान के फायदे से छठे स्थान पर पहुंचे जिससे वह रविचंद्रन अश्विन से एक स्थान पीछे हैं। कागिसो रबाडा शीर्ष रैंकिंग पर काबिज हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और पैट कमिंस से आगे दूसरे स्थान पर हैं। वहीं टीम साथी वाशिंगटन सुंदर टेस्ट गेंदबाजों में सात पायदान के लाभ से 46वें स्थान पर पहुंच गए।

हमें स्वदेशी समुदायों की विशिष्टता और पुराने बाशिंदों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए : बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने थाडौ सम्मेलन में पारित उस प्रस्ताव पर बुधवार को संतोष जताया, जिसमें राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) और राज्य के मादक पदार्थ के खिलाफ युद्ध अभियान के प्रति समर्थन व्यक्त किया गया है। सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी सरकार शांति लाने के नाम पर बाहरी लोगों को शामिल करके अपनी नीतियों से समझौता नहीं करेगी।

पिछले हफ्ते गुवाहाटी में आयोजित सम्मेलन में थाडौ जनजाति ने एनआरसी और राज्य के मादक पदार्थ के खिलाफ युद्ध अभियान के प्रति समर्थन जताया था। थाडौ कुकी समुदाय में सबसे बड़ी जनजाति है। हालांकि, हालिया सम्मेलन के दौरान समुदाय ने जोर देकर कहा, थाडौ लोगों का एक विशिष्ट जातीय समूह है, जिसकी अपनी अलग भाषा, संस्कृति, परंपराएं और महान इतिहास है। थाडौ समुदाय न तो कुकी है, न ही कुकी के अधीन है और न ही कुकी का हिस्सा है। यह कुकी से अलग एक स्वतंत्र समुदाय है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से जुड़ी प्रवेश परीक्षाओं के लिए मुख्यमंत्री कोचिंग योजना की शुरुआत के अवसर पर सिंह ने कहा, शांति जरूर बहाल होगी। थाडौ राज्य की सबसे पुरानी जनजातियों में से एक है। थाडौ सम्मेलन में एनआरसी और मादक पदार्थ के खिलाफ युद्ध अभियान के लिए समर्थन जताए जाने के बाद राज्य के कई नागरिक समाज संगठनों ने इस रुख का स्वागत और सराहना की है।

सुविचार

कुछ लोगों को ऊँचाई पर पहुंचने की इतनी जल्दी होती है की छोटे लोगों के हाथ पकड़ने की बजाय बड़े लोगों के पाँव पकड़ना पसंद करते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पिछली 'गलतियों' से सीखेंगे ट्रंप?

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर जीत दर्ज कर अपने विरोधियों के सारे दावों को धराशायी कर दिया। ट्रंप जनवरी 2017 से जनवरी 2021 तक राष्ट्रपति रहे हैं। उन्होंने उस कार्यकाल के लिए चुनाव जीतने के बाद अपने भाषण में इच्छा जताई थी कि वे दूसरी बार भी राष्ट्रपति निर्वाचित हों। उनका पिछला कार्यकाल जिस तरह विवादों में रहा और कोरोना महामारी में कुप्रबंधन के आरोप लगे, उससे उनकी लोकप्रियता पर काफी असर पड़ा था। उसका फायदा जो बाइडन को मिला था, जो राष्ट्रपति तो बने, लेकिन उनके प्रदर्शन ने अमेरिका को कई मोर्चों पर निराश ही किया। बाइडन रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने में नाकाम रहे। उनके सत्ता में रहते ईरान के हौसले बुलंद हुए, जिसने हमास, हिज्बुल्लाह जैसे उग्रवादी संगठनों को इतना मजबूत कर दिया कि वे इजराइल पर सीधा धावा बोलने लगे। इस यहूदी राष्ट्र पर मिसाइलों की भारी बौछार हुई थी। वह लड़ाई अब तक जारी है। डोनाल्ड ट्रंप की सबसे बड़ी परीक्षा तो इन दोनों मोर्चों पर होगी। यूक्रेन को जो बाइडन और उनकी मंडली से आश्वासन तो खूब मिले थे, जबकि धरातल पर स्थिति बिल्कुल अलग थी। इस देश को जन-धन का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को डोनाल्ड ट्रंप से बड़ी उम्मीदें हैं। उन्होंने अपने बधाई संदेश में भी समर्थन की अपील कर दी। जेलेंस्की जानते हैं कि अब युद्ध को लंबा खींचना बहुत ज्यादा महंगा पड़ेगा। यूक्रेन की जनता इस स्थिति में नहीं है कि वह और जनहानि बर्दाश्त कर सके। रूस के तेवर आक्रामक जरूर हैं, लेकिन जनता वहां भी परेशान है। ऐसे में 'युद्धविराम' और 'शांति समझौता' जैसे विकल्प ही बाकी रह जाते हैं। अगर ट्रंप ईमानदारी से कोशिश करेंगे तो इन दोनों देशों को 'राहत' मिलने का कोई रास्ता निकाल सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का ईरान के साथ छत्तीस का आंकड़ा रहा है। मतगणना के रुझानों में उनकी बढ़त के संकेत मिलते ही ईरानी मुद्रा रियाल में गिरावट आने लगी थी। उनके द्वारा ईरान पर नए प्रतिबंधों की घोषणा किए जाने के कयास अकारण ही नहीं लगाए जा रहे हैं। उन्होंने साल 2018 में जिस तरह एकतरफा ढंग से समझौते से अलग होने का फैसला किया और ईरान के शीर्ष वैज्ञानिकों-सैन्य अधिकारियों पर हमले हुए, उससे दोनों देशों के बीच तनाव बहुत बढ़ गया था। अगर ट्रंप के शपथग्रहण के बाद अमेरिका-ईरान के रिश्तों में तल्खी कम हो जाए तो यह बहुत बड़ा 'चमत्कार' माना जाएगा, जिसकी संभावना कम ही नजर आती है। ट्रंप इजराइल के साथ खुलकर एकजुटता जताते हैं। उनकी जीत की खबर आते ही इजराइल में लोग जश्न मनाने लगे। उन्हें पूरी उम्मीद है कि जारी लड़ाई में ट्रंप उनके देश के साथ मजबूती से खड़े होंगे। ट्रंप इस बात को लेकर दबाव डाल सकते हैं कि हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों को रिहा किया जाए। डोनाल्ड ट्रंप को अपनी पिछली 'गलतियों' से भी सीखना होगा। कोरोना महामारी ने उनकी खूब किरकिरी कराई थी। अमेरिका की एजेंसियां, जिनका फिल्मों में बहुत ज्यादा महिमा-मंडन किया जाता है, समय रहते 'खतरा' भांपने में विफल रही थीं। वहीं, महामारी से निपटने के प्रयासों में ढेरों खामियां नजर आई थीं। उस दौरान चीन, जहां से कोरोना वायरस पूरी दुनिया में फैला, की उद्दंडता बढ़ी। अब ड्रैगन की मनमानी को नियंत्रित करना जरूरी है। ट्रंप एक ओर तो आतंकवाद को समूल नष्ट करने की बातें करते रहे, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान को नकेल डालने की इच्छाशक्ति नहीं दिखा सके। अगर आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता से कार्रवाई करनी है तो पाक पर आर्थिक प्रतिबंधों समेत कई तरह की पाबंदियां लगानी होंगी। ट्रंप से उम्मीद है कि वे भारत के साथ सहयोग बढ़ाएंगे। दोनों देशों के बीच शिक्षा, व्यापार, रोजगार, पर्यटन समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ना चाहिए। भारतीय प्रतिभाओं के लिए वीजा नियमों में भी आसानी होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

रामगढ़ विधानसभा के गोविंदगढ़ क्षेत्र में भाजपा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया और सभी क्षेत्रवासियों से आगामी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी श्री सुखवंत सिंह जी को भरपूर समर्थन देने एवं भाजपा के पक्ष में अधिकाधिक मतदान करने के लिए आह्वान किया।

-दीया कुमारी

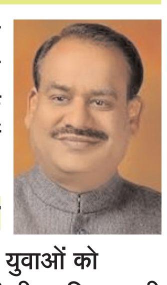

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन के साथ संसदीय क्षेत्र के ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। मुझे खुशी है कि वन भूमि प्रत्यावर्तन व आवश्यक स्वीकृतियों के उपरान्त अब जमीनी स्तर पर विकास कार्य प्रारंभ करने का चरण आ गया है।

-ओम बिरला

प्रधानमंत्री जी की परिकल्पना से निर्मित युवाओं को सुनिश्चित उच्च शिक्षा की गारंटी देने वाली पीएम विद्यालक्ष्मी योजना आज केंद्रीय मंत्रिमंडल से स्वीकृत हो गई। आर्थिक परेशानी अब उच्च शिक्षा के समक्ष बाधा नहीं बनेगी।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मानवता की रक्षा

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी ने डेनमार्क पर कब्जा कर लिया था। डेनमार्क के यहूदी नागरिकों को गिरफ्तार करने और यातना शिविरों में भेजने की योजना बनाई जा रही थी। उस समय डेनमार्क के राजा क्रिश्चियन दसवें ने एक अभूतपूर्व कदम उठाया। उन्होंने घोषणा की कि वे स्वयं पीले रंग का सितारा अपने कोट पर पहनेंगे, जो कि यहूदियों की पहचान का प्रतीक था। राजा क्रिश्चियन दसवें ने कहा, 'हम सभी डेनिश नागरिक हैं। हमारे बीच कोई भेदभाव नहीं है।' राजा के इस साहसिक कदम से प्रेरित होकर डेनमार्क के हजारों नागरिकों ने भी अपने कपड़ों पर पीले सितारे लगा लिए। इससे नाजी सैनिकों के लिए यह पहचानना असंभव हो गया कि कौन यहूदी है और कौन नहीं। इस दौरान डेनमार्क के मछुआरों और नाविकों ने अपनी छोटी-छोटी नौकाओं में यहूदी परिवारों को छिपाकर रात के अंधेरे में स्वीडन की ओर ले जाना शुरू कर दिया। इस पूरे अभियान में डेनमार्क के चर्च, विश्वविद्यालय और यहां तक कि पुलिस-प्रशासन ने भी सहयोग दिया। उन्होंने यहूदी परिवारों को छिपाने, उन्हें भोजन और आश्रय देने में भरपूर मदद की।

सामयिक

बच्चों में स्क्रीन की बढ़ती लत एक गंभीर समस्या

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

महामारी के बाद भारत में बच्चों के लिए स्क्रीन का समय काफ़ी बढ़ गया है, उनके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास पर इसके प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ रही हैं, जिससे संतुलित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। अत्यधिक स्क्रीन समय आमने-सामने की बातचीत को कम करता है, जिससे सामाजिक कौशल विकास में बाधा आती है। 2024 के अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन 3 घंटे से अधिक स्क्रीन समय वाले बच्चों में सामाजिक जुड़ाव का स्तर कम था। स्क्रीन अक्सर पारिवारिक बातचीत की जगह ले लेती है, जिससे पारिवारिक सामंजस्य और साझा अनुभव कम हो जाते हैं। परिवारों को भोजन और बातचीत जैसी गतिविधियों पर कम समय बिताते हुए देखा जाता है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव प्रभावित होता है। डिजिटल इंटरैक्शन पर तेजी से निर्भर बच्चे व्यक्तिगत सामाजिक संकेतों और रिश्तों के साथ संघर्ष कर सकते हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट है कि किशोरों में उच्च स्क्रीन समय भावनात्मक विनियमन में देरी से सम्बंधित है। स्क्रीन की लत शारीरिक गतिविधियों में बिताए गए समय को सीमित करती है, जिससे गतिहीन व्यवहार होता है। स्वास्थ्य मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट में शहरी बच्चों में बाहरी गतिविधियों में 40प्रतिशत की कमी को दर्शाया गया है।

स्क्रीन पर ज़्यादा समय बिताना बच्चों में चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़ा हुआ है। लैंसेट चाइल्ड एंड एडोलसेंट हेल्थ (2024) ने 4 घंटे से ज़्यादा स्क्रीन पर समय बिताने वाले किशोरों में चिंता के लक्षणों में 157 की वृद्धि पाई। तेज़ गति वाली डिजिटल सामग्री के लंबे समय तक संपर्क में रहने से ध्यान अवधि और एकाग्रता के स्तर में कमी आ सकती है। एम्स दिल्ली (2023) द्वारा किए गए अध्ययन बच्चों में अत्यधिक स्क्रीन उपयोग को एडीएचडी जैसे लक्षणों से जोड़ते हैं। स्क्रीन लाइट के संपर्क में आने से नींद के चक्र प्रभावित होते हैं, जिससे नींद पूरी नहीं होती और संज्ञानात्मक कार्य कम होता है। इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में बताया गया कि सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग करने वाले 60 प्रतिशत बच्चों की नींद का पैटर्न गड़बड़ा गया था। सोशल मीडिया का उपयोग अक्सर आत्म-सम्मान को प्रभावित करता है, खासकर किशोरों में, अवास्तविक तुलना और साइबरबुलिंग के कारण। भारतीय किशोर अत्यधिक सोशल मीडिया एक्सपोजर से आत्म-सम्मान सम्बंधी समस्याओं का अनुभव करते हैं।

स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वे तकनीक के इस्तेमाल के मामले में सीमाएँ तय करें। यहाँ एक विशेषज्ञ गाइड है जो आपको बताती है कि कैसे स्क्रीन की लत में पदार्थों के समान ही तंत्र होता है, जो डोपामाइन में समान वृद्धि पैदा करता है। स्क्रीन के उपयोग में लगातार वृद्धि के साथ, मस्तिष्क के सर्किट अनुकूल हो जाते हैं और डोपामाइन के प्रति कम संवेदनशील हो जाते हैं। नतीजतन, आप जो देखते हैं वह समान आनंद का अनुभव करने के लिए अधिक उपभोग करने की बढ़ती आवश्यकता है। एक आम

ग़लतफ़हमी यह है कि लत एक विकल्प या नैतिक समस्या है। सच्चाई इससे ज़्यादा दूर हो ही नहीं सकती। एक निश्चित बिंदु के बाद, लत एक जैविक समस्या बन जाती है जिसका शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। माता-पिता के लिए हस्तक्षेप करने, सही व्यवहार का मॉडल बनाने और अपने बच्चों को जीवन कौशल के रूप में स्क्रीन प्रबंधन सिखाने की स्पष्ट आवश्यकता है।

माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के लिए उपकरणों से लैस करें। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने माता-पिता के लिए डिजिटल प्रबंधन पर कार्यशालाओं की सिफ़ारिश की है। कम उम्र से ही स्क्रीन का जिम्मेदाराना उपयोग सिखाने के लिए पाठ्यक्रम में डिजिटल वेलबीइंग को शामिल करें। दिल्ली सरकार ने चुनिंदा स्कूलों में डिजिटल साक्षरता सत्र शुरू किए हैं। आयु के आधार पर आधिकारिक स्क्रीन टाइम दिशा-निर्देश विकसित करें और सार्वजनिक अभियानों के माध्यम से उनका प्रचार करें। थक्ज दिशा-निर्देश विकासात्मक चरणों के आधार पर स्क्रीन टाइम प्रतिबंधों का सुझाव देते हैं। स्वस्थ सामाजिक संपर्क के साथ डिजिटल उपभोग को संतुलित करने के लिए बाहरी और समूह गतिविधियों को प्रोत्साहित करें। खेलो इंडिया पहल बच्चों में शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देती है, जिससे स्क्रीन टाइम में अप्रत्यक्ष रूप से कमी आती है। स्कूलों और समुदायों में तकनीक-मुक्त क्षेत्रों और डिजिटल डिटॉक्स कार्यक्रमों के विकास को प्रोत्साहित करें। कुछ स्कूलों ने बच्चों को गैर-डिजिटल गतिविधियों में शामिल होने में मदद करने के लिए स्क्रीन-फ्री डेज़ शुरू किए हैं।

स्क्रीन टाइम के प्रभावी प्रबंधन के लिए परिवारों, शिक्षकों और नीति निर्माताओं को शामिल करते हुए बहु-हितधारक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। अगली पीढ़ी के समग्र विकास के लिए संतुलित डिजिटल वातावरण सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण होगा, जिससे एक लचीले और समग्र समाज का निर्माण होगा। स्क्रीन की लत एक वास्तविक समस्या है जो महामारी के कारण और भी बढ़ गई है और वयस्कों और बच्चों दोनों को प्रभावित कर रही है। माता-पिता को अपने बच्चे के स्क्रीन उपयोग के पैटर्न के प्रति सतर्क, सक्रिय और संलग्न रहने की आवश्यकता है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की खोज करना और अपने बच्चे की दुनिया के बारे में जानकारी रखना आपको अपनी आशंकाओं के बारे में उनसे बात करने के लिए बेहतर भाषा दे सकता है। सीमाएँ निर्धारित करना अल्पावधि में कठिन लग सकता है लेकिन दीर्घावधि में यह बहुत लाभदायक होगा।

चिंतन

मोबाइल की रंगीन दुनिया में गुम होती किलकारियां

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

देश और दुनिया में शिशु सुरक्षा दिवस सात नवंबर को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य जन साधारण में शिशुओं की सुरक्षा से संबंधित जागरूकता फैलाना और शिशुओं की उचित देखभाल कर उनके जीवन की रक्षा करना है। आजकल अक्सर देखा जाता है हम शिशुओं की देखभाल में उदासीनता बरत रहे है। भारत की बात करें तो वह भी एक समय था जब शिशु की देखभाल में हम चौबीसों घंटे सतर्क और जागरूक रहते थे। शिशु की हर इच्छा को हम पहचान लेते थे।

शिशु के किलकारी मारने अथवा रोने की आवाज सुनते ही परिवार का हर सदस्य उसे बांहों में उठाकर गले लगा लेने के लिए बेचैन हो उठता था। माता स्तनपान करा उसे चुप्प कराती थी। मगर अब बदलते दौर में माता शिशुओं के रोते ही उसे चुप्प कराने के लिए उसके हाथ में मोबाइल थमा देती है। यह अंतर है हमारी पुरानी और नई लाइफ स्टाइल का।आज देश और दुनिया प्रगति और विकास के नए सोपान स्थापित कर रही है। मगर देखा जा रहा है हम शिशुओं को व्यापक सुरक्षा प्रदान करने में सफल नहीं हो रहे है। युवा पीढ़ी जहाँ शिशु को मां के दूध से वंचित रख रही है वहां स्मार्ट फोन बच्चों को थमा कर उनके भविष्य और सेहत से खिलवाड़ कर रही है। अक्सर देखा गया है अभिभावक जब किसी पार्टी या अन्य कार्य में व्यस्त होते है तो बच्चों को स्मार्ट फोन थमा देते है। बच्चे बोल नहीं पाते मगर मोबाइल की रंगीन दुनियां में डूब जाते है जो उनकी सेहत के लिए बेहद ख़तरनाक है। इसके अलावा टीवी स्क्रीन से भी शिशुओं को दूर रखना होगा। यह समय शिशुओं के किलकारियों का है, ऐसे में शिशु सुरक्षा के लिए बेहद जरुरी है की इस प्रकार के कृत्य से बचे। इस दिन को मनाने का उद्देश्य शिशुओं की सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाना और शिशुओं की उचित देखभाल करके उनके जीवन की रक्षा करना है। स्वास्थ्य संबंधी देखभाल ना होने के कारण यह समस्या और भी विकराल होती जा रही है। भारत में इस संदर्भ में कई कार्यक्रमों और योजनाओं को जनहित में लागू करके शिशुओं की मृत्यु दर को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए है। लेकिन जनसंख्या के बढ़ते बोझ व बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव तथा जागरूकता की कमी के कारण शिशुओं की मृत्यु दर में अपेक्षित कमी नहीं आई है।

भारत में हर साल लाखों बच्चे ऐसी बीमारियों के चलते मौत के मुंह में जा रहे हैं, जो निदान योग्य हैं यानी जिनका इलाज मुमकिन है। हमारे देश में सरकारें नवजात शिशुओं को स्वास्थ्य सुरक्षा दे पाने में नाकामयाब और लापरवाह साबित हो रही हैं। नये भारत के निर्माण का सपना हमारा खंडित होता है। देश और समाज की प्रगति, खुशहाली और विकास उसके नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ी होती है। जब हम स्वास्थ्य की बात करते हैं, तो इसका संबंध शिशुओं और माताओं से सबसे पहले होता है।

जिस समाज में प्रतिवर्ष लाखों नवजात शिशु अकाल मृत्यु का शिकार हो जाते हैं उसे हम खुशहाल समाज कैसे कहेंगे, यह प्रत्येक देशवासी के लिए चिंतन और मंथन का विषय है। इसे केवल चर्चा, बयान और जाँच के नाम पर नहीं नकारा जा सकता। सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और तथा एनआरएचएम कार्यक्रम के तहत इस दिशा में सशक्त पहल जरूर की है जिसमें यूनीसेफ भी सहयोगी की भूमिका में है लेकिन इस प्रयास में जितने आर्थिक संसाधनों की दरकार है वे पर्याप्त नहीं है इसके लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। यूनीसेफ का कहना है कि शिशुओं की अकाल मौत के ज्यादातर मामले निम्न आय वर्ग के परिवारों में होते हैं जहां कुपोषण, शारीरिक दोष और मलिन वातावरण की समस्या बच्चे के जन्म से पहले ही मौजूद रहती है। ऐसे में अकेले सरकार के लिए इन स्थितियों को सुधारना मुमकिन नहीं है, इसके लिए समाज के हर जिम्मेदार व्यक्ति को सहयोगी की भूमिका में आना होगा।

बच्चे के लिए मां का दूध अमृत के समान है लेकिन स्तनपान ना कराने से बच्चे बीमार जल्दी हो जाते हैं, जिसके कारण नवजात शिशु में असमय काल के गाल में समा जाते हैं सही पोषण के अभाव में भी बच्चे दम तोड़ देते हैं। वहीं ग्रामीण इलाकों में प्रशिक्षित दाइयो के अभाव के कारण भी कई प्रकार की समस्याएं जन्म ले लेती है। नवजात शिशुओं का स्वास्थ्य माता के स्वास्थ्य से जुड़ा होता है इसलिए माँ को गर्भावस्था पूर्व से अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखना चाहिए। महिलाओं के शरीर में में खून की होती है, जिसके लिए गर्भावस्था पूर्व से ही उन्हें आयरन फॉलिक एसिड की गोली का सेवन करना चाहिए.।

इसके साथ ही इस दौरान उन्हें आयरन युक्त आहार के सेवन को प्राथमिकता देनी चाहिए। गर्भावस्था के बाद प्रसव पूर्व जांच, टेटनस टीका भी गर्भवती महिला को लेना जरूरी होता है। प्रसव के बाद नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जन्म के 1 घंटे के भीतर स्तनपान, 6 माह तक केवल स्तनपान, कंगारू मदर केयर, शिशुओं के निमोनिया जांच एवं टीका उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है।

नजरिया

योग एवं अध्यात्म के सहारे कैंसर पर काबू पाये

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

वैश्विक स्तर साल-दर साल कैंसर रोगियों और मृतकों की संख्या बढ़ रही है। भारत में बीते सालों में कैंसर के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। कैंसर की पहचान, रोकथाम और इलाज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर वर्ष भारत में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस 7 नवम्बर को मनाया जाता है। प्रसिद्ध नोबेल पुरस्कार विजेता मैडम क्यूरी की जयन्ती पर उनकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता, जिन्होंने कैंसर के खिलाफ चल रही लड़ाई में बहुत योगदान दिया है। उनके उत्कृष्ट शोध ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में विकास और कैंसर के उपचार के लिए रेडियोथेरेपी के उपयोग में मदद की है। यह दिवस कैंसर से लड़ने की हमारी क्षमता पर मैडम क्यूरी के वैज्ञानिक प्रयासों के बड़े प्रभाव की याद दिलाता है।

भारत में एक अनुमान के अनुसार 20 से 25 लाख कैंसर रोगी हैं, जिनमें से हर साल लगभग 7 लाख नए मामले सामने आते हैं। जब एक नए कैंसर के मामले का निदान किया जाता है, तो उनमें से दो-तिहाई पहले से ही लाइलाज अवस्था में होते हैं। इनमें से 60 प्रतिशत से अधिक कैंसर रोगी 35 से 65 वर्ष की आयु के बीच के हैं। बढ़ती जीवन प्रत्याशा और प्रगति के साथ बदलती जीवनशैली के कारण कैंसर के मामले अब की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक होंगे। हर साल, राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस एक अनूठी थीम अपनाता है, 2023-24 में, थीम देखभाल की कमी को पूरा करें' है, यह थीम कैंसर देखभाल, कैंसर की रोकथाम, शुरुआती पहचान और उपचार तक पहुँच में सुधार के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है।

कैंसर एक ऐसा रोग है जिसके बारे में सुनकर ही लोग डर जाते हैं। कैंसर, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं एवं बीमारियों में से एक है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज का अनुमान है कि दुनिया में हर छठी मौत कैंसर के कारण होती है। मेडिकल क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रयोग और तकनीक विकास के चलते कैंसर अब लाइलाज बीमारी तो नहीं रही है, पर अब भी आम लोगों के लिए इसका

इलाज काफी कठिन बना हुआ है। असाध्य बीमारी होने के बावजूद इस बीमारी को परास्त किया जा सकता है, अगर जिजीविषा एवं हौसला हो तो कैंसर को भी परस्त किया जा सकता है। हम जानते हैं कि हममें से हर एक में बदलाव लाने की क्षमता है, चाहे बड़ा हो या छोटा, और साथ मिलकर हम कैंसर के वैश्विक एवं राष्ट्रीय प्रभाव को कम करने में प्रगति कर सकते हैं।

मानव शरीर कई कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। इनका समय-समय पर रिप्लेसमेंट होता है। जैसे-जैसे कोशिकाएं मरती जाती हैं उनकी जगह पर नई कोशिकाओं का निर्माण होता है। इन रिप्लेसमेंट के दौरान जो सेल मल्टिप्लीकेशन होता है उसके अंदर कोई एक विकृत कोशिका भी पैदा हो जाती है और यह असामान्य कोशिका ऐसी होती है जिस पर शरीर के सिस्टम्स का कोई नियंत्रण नहीं होता और यह सेल इस तरह मल्टीप्लाई करता है कि अंततोगत्वा यह ट्यूमर अथवा कैंसर का रूप अख्तियार कर लेता है। कैंसर कई प्रकार के हो सकते हैं, सभी उम्र के व्यक्तियों में इसका जोखिम देखा जा रहा है। शरीर के किसी हिस्से में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि और इसका अनियंत्रित रूप से विभाजन कैंसर का कारक होती है। आनुवांशिकता, पर्यावरणीय, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, रसायनों के अधिक संपर्क के कारण कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है। महिलाओं में सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर और पुरुषों में फेफड़े-प्रोस्टेट और कोलन कैंसर का खतरा सबसे अधिक देखा जाता रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में विज्ञान ने कैंसर के प्रकारों, कारणों और उपचारों में काफी विकास किया है। ऐसे तमाम आम और सेलिब्रेटी हैं, जिन्होंने कैंसर का सही समय पर जांच और इलाज करवाकर जीवन का सुख प्राप्त कर रहे हैं। इस दिशा में और भी जागरूकता और सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। कैंसर लाइलाज नहीं है, लेकिन इसका इलाज स्टेज 1 या स्टेज 2 में पता लग जाने और तुरन्त ऑपरेशन करके निकाल देने से संभव है।

इन वर्षों में अनेक प्रभावी दवाइयों एवं इलाज प्रक्रियाएं भी सामने आयी है जैसे- टार्गेटेड थेरेपी है, इम्यूनो थेरेपी है। उससे लोगों को काफी आराम मिलता है। उससे अनेक लोगों का खतरा पूरी तरह या कुछ मात्रा में कम हुआ एवं जीवन में कुछ वर्ष बढ़े हैं। कैंसर एक लाइफस्टाइल बीमारी भी है। इसलिये जीवन को संतुलित एवं संयममय बनाकर इस बीमारी को कम किया जा सकता है। आप कैसे रहते हैं, क्या खाते हैं, क्या आपकी आदतें हैं, क्या आपकी बुरी आदतें है, उसपर भी निर्भर करता है। लाइफस्टाइल और आहार को पौष्टिक रखने के साथ शराब-धूम्रपान को छोड़कर कैंसर के खतरे से बचाव किया जा सकता है।

असंतुलित जीवनशैली ने आज एक नहीं कई शारीरिक समस्याओं के जोखिम को बढ़ा दिया है। कैंसर भी ऐसा ही एक जोखिम है जो लंबे समय तक नजरअंदाज किये जाने के कारण अक्सर गंभीर रूप धारण कर लेता है। अगर कुछ सावधानियों को जीवन का हिस्सा बना लें तो हम ऐसी समस्याओं को आने से पहले ही रोक सकते हैं। कैंसर अब एक तरह से जीवनशैली से जुड़ी बीमारी बनती जा रही है। कई बार तो लंबे समय तक यह बीमारी पकड़ में ही नहीं आती। इसका एक बड़ा कारण जागरूकता का अभाव भी है। हालांकि, कैंसर पूर्व के कुछ लक्षण दिखते हैं, जिन्हें आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मुंह में सफेद या लाल धब्बे, शरीर में कहीं गांठ बन जाना और उसका बढ़ना, लंबे समय तक खांसी, कब्ज की लगातार समस्या, अधिक थकान और वजन में गिरावट जैसे लक्षणों को कतई नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

कैंसर को नियंत्रित करने में अध्यात्म की महत्वपूर्ण भूमिका है। क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति को आत्मविश्वास व मानसिक बल मिलता है। अध्यात्म के सहारे से जीवन की यात्रा को सुगम व सरल किया जा सकता है। इसे एक पारंपरिक उपचार प्रणाली के रूप में जाना जाता है, जो पूरे शरीर, मन और आत्मा में ऊर्जा के संतुलन और प्रवाह को पुनर्स्थापित करती है। जिस प्रकार दवाई हमारे शरीर के अंदर जाकर बीमारी को ठीक करती है, ठीक उसी प्रकार आध्यात्मिक इलाज हमारे मन को मजबूत बना कर किसी भी बीमारी से लड़ने की हिम्मत देता है। सुख-दुख, विपदाएं, वेदना, परेशानियां, कठिनाइयां और बीमारियों का सामना करते-करते व्यक्ति के अंदर से सकारात्मक ऊर्जा खत्म होने लगती है, जिस कारण व्यक्ति थक जाता है और अंदर से टूट जाता है। यह टूटन एवं निराशा कैंसर की सबसे बड़ी बाधा है। अध्यात्म में वो शक्ति है, जो हारे हुए व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा भर देता है। अध्यात्म के बहुत सारे अंग हैं जैसे- योग, प्राणायाम, मंत्र साधना, ध्यान, आदि। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने आप को भीतर से मजबूत बना सकता है। यही वजह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन में अध्यात्म को अपना लेता है, वो कैंसर से जुड़ी हर पीड़ा, वेदना एवं हर परिस्थिति का डटकर सामना करता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में कभी हार नहीं सकता।

कैंसर संक्रामक रोग नहीं है। कैंसर के मरीजों से दूरी न बनाएं, बल्कि उनके साथ जुड़कर उनको मानसिक संबल दें, उनमें सकारात्मक सोच विकसित करें। कैंसर की जंग में सकारात्मक सोच रोगी का सबसे बड़ा हथियार हो सकता है। पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी युवराज सिंह हों या कई बॉलीवुड सितारे, सबने अपनी सकारात्मक सोच के जरिए ही कैंसर पर विजय हासिल की है। सकारात्मक सोच वाले शरीर पर ही दवाइयां अपना असर दिखती हैं। इसलिए कभी भी व्यक्ति को हताश नहीं होना चाहिए। योग से शरीर, मन और आत्मा को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। योग तनाव और चिंता का प्रबंधन करने में भी सहायक है। यह शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और मानसिक तनाव को दूर करता है। रोजाना 30 मिनट तक योग करके कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति निर्वाचित होने वाले सबसे उम्रदराज शख्स

न्यूयॉर्क/भाषा

डोनाल्ड ट्रंप एक व्यवसायी, रियल एस्टेट कारोबारी और रियलिटी टीवी स्टार होने से लेकर देश के इतिहास में पहले ऐसे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हैं जिन्हें अपराधी घोषित किया गया।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान के दौरान दो प्राणघातक हमलों से बचने के बाद भी ट्रंप (78) मैदान में मजबूती से डटे रहे और अब अमेरिकी मतदाताओं ने उन्हें दूसरा कार्यकाल दिया है। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ-साथ कमला हैरिस के कई समर्थकों के सपनों को भी चकनाचूर कर दिया, जो अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय एवं आवास 'व्हाइट हाउस' में पहली महिला राष्ट्रपति होने का सपना देखते थे।

वह अब अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति निर्वाचित होने वाले सबसे उम्रदराज शख्स हैं। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद पद छोड़ने से लेकर 2024 की दौड़ में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामांकन तक, ट्रंप निरंतर समाचार पत्रों की सुर्खियों और अमेरिकियों के दिमाग पर हावी रहे। उन्होंने नवंबर 2020 के चुनाव के नतीजों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था लेकिन उस समय जो बाइडन राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे। एक स्तब्ध राष्ट्र ने ट्रंप के समर्थकों को छह जनवरी को ''कैपिटल'' (संसद भवन) पर धावा बोलते भी देखा। दंगों, उपद्रव ने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को बाधित कर दिया, जहां राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों की पुष्टि की प्रक्रिया जारी थी। वर्ष 2024 में राष्ट्रपति पद के लिए तीसरी बार मुकाबले में उतरने के साथ वह कई अभियोगों और आपराधिक मामलों का सामना कर रहे थे तथा न्यूयॉर्क की एक अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया। इस तरह वह किसी अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हैं। ग्रैंड जूरी ने उन्हें व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 मामलों में भी दोषी पाया। उस समय बाइडन-हैरिस की प्रचार टीम ने कहा था कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, जबकि ट्रंप ने इस फैसले को राजनीतिक व्यवस्था में ''धांधली'' का नतीजा बताया। फिर भी, इनमें से कोई भी बात उनके उत्साही समर्थकों को नहीं रोक सकी, जो उनके और उनकी नीतियों के समर्थन में मजबूती से डटे रहे।

जुलाई में मिल्वौकी में ट्रंप के लिए यह प्रबल समर्थन पूरी तरह से देखने को मिला, जब हत्या के प्रयास की घटना में बच जाने के बाद उनके कान पर पट्टी बंधी हुई थी, तथा वे लगातार तीसरे चुनाव के लिए राष्ट्रपति पद के लिए पार्टी के नामांकन को औपचारिक रूप से स्वीकार करने को लेकर रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में पहुंचे। पेंसिल्वेनिया में ट्रंप की चुनावी रैली में एक हमलावर द्वारा कई गोलियां चलाए जाने के कारण उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में गोली लग गई थी।

14 जून, 1946 को क्वींस, न्यूयॉर्क में मैरी और फ्रेड ट्रंप के घर पैदा हुए ट्रंप एक सफल रियल एस्टेट डेवलपर हैं। डोनाल्ड ट्रंप पांच भाई बहनों में से चौथे नंबर पर हैं। उन्होंने 1968 में पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के 'व्हार्टन स्कूल ऑफ फाइनेंस एंड कॉमर्स' से वित्त में डिग्री हासिल की। वर्ष 1971 में अपने पिता की कंपनी को संभालने के बाद, उन्होंने इसका नाम बदलकर ट्रंप ऑर्गनाइजेशन रख दिया और जल्द ही होटल, रिसॉर्ट, आवासीय और वाणिज्यिक भवन, कैसीनो और गोल्फ कोर्स जैसी परियोजनाओं तक कारोबार का विस्तार किया। ट्रंप ने 2004 में 'द अप्रेंटिस' के साथ रियलिटी टीवी में भी हाथ आजमाया, जिसने उन्हें अमेरिका में घर-घर में मशहूर कर दिया।

कमला हैरिस : अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनने से चूकीं

वाशिंगटन/भाषा। एक दशक से भी ज्यादा समय पहले एक पत्रकार ने कमला हैरिस को महिला ओबामा कहा था। हालांकि, भारतीय और जमैका के अप्रवासी दंपति की बेटी कमला हैरिस पहले अफ्रीकी-अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की उपलब्धियों की बराबरी करने में विफल रहीं।

हैरिस अमेरिकी राजनीति में शीर्ष मुकाम हासिल करने में असफल रहीं और राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप से हार गईं।

डेमोक्रेटिक नेता की ट्रंप के हाथों कड़े मुकाबले वाले चुनाव में हार ने अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनने के उनके सपने को भी तोड़ दिया। उनके नामांकन से हालांकि महिलाओं में उत्साह पैदा हुआ कि सार्वजनिक जीवन में उनके लिए यह द्वार बंद नहीं हुआ है।

हैरिस (60) के नाम कई अन्य 'पहली' उपलब्धियां भी दर्ज हैं। वह सैन फ्रांसिस्को की डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी रह चुकी हैं - इस पद पर चुनी जाने वाली पहली महिला, पहली अफ्रीकी-अमेरिकी और पहली भारतीय मूल की शख्स थीं।

उपराष्ट्रपति के रूप में, वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला हैं। साथ ही, वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी-अमेरिकी या भारतीय-अमेरिकी व्यक्ति भी हैं।

पांच नवंबर के चुनाव से तीन दिन पहले प्रकाशित एक लेख में हैरिस ने बचपन में की गई अपनी भारत यात्रा को याद किया और अपनी दिवंगत मां श्यामला गोपालन को याद किया, जो एक कैंसर शोधकर्ता और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता थीं।

हैरिस ने ऑनलाइन दक्षिण एशियाई प्रकाशन 'द जुगरनॉट' के लिए लिखे लेख में कहा, बड़े होने के दौरान, मेरी मां ने मुझे और मेरी बहन को हमारी विरासत का सम्मान करना सिखाया। लगभग हर दूसरे साल हम दिवाली के लिए भारत जाते थे। हम अपने दादा-दादी, चाचाओं और अपनी 'चिट्टियों' (चाचियों) के साथ समय बिताते थे। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि अमेरिकी एक ऐसा राष्ट्रपति चाहते हैं जो सभी अमेरिकी लोगों के लिए काम करे।

खरीददारी

बुधवार को कोलकाता के एक बाजार में छठ पूजा उत्सव की तैयारी में फल खरीदती एक महिला।

प्रचार

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बुधवार को सतारा में कराड-उत्तर भाजपा उम्मीदवार मनोज घोरपड़े के समर्थन में प्रचार के दौरान।

नवविवाहितों के लिए पसंदीदा 'हनीमून' गंतव्य बना थाइलैंड

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नवविवाहितों के लिए पसंदीदा अंतरराष्ट्रीय हनीमून गंतव्य थाइलैंड बन गया है। ऑनलाइन यात्रा बुकिंग मंच मेकमाईट्रिप ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा कि थाइलैंड ने मालदीव को पछाड़ दिया है। यह रिपोर्ट पिछले साल अक्टूबर से इस साल सितंबर के बीच दर्ज किए गए हनीमून पैकेज पर आधारित है। यात्रा मंच ने बयान में कहा कि मालदीव में हनीमून पैकेज बुकिंग में सालाना 16.2 प्रतिशत की गिरावट हुई, जबकि अन्य सभी शीर्ष प्रमुख अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों - इंडोनेशिया, मॉरीशस और वियतनाम की इस साल हिस्सेदारी बढ़ी है।

मेकमाईट्रिप की 'हाउ इंडिया ट्रैवल्स फॉर हनीमून' अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 तक के बुकिंग डेटा का विश्लेषण करती है। इसकी तुलना पिछले वर्ष की इसी अवधि से की गई है।

पिछले साल रैंकिंग में सबसे ऊपर रहे मालदीव को इस साल थाइलैंड ने पछाड़ दिया है। थाईलैंड की बुकिंग हिस्सेदारी में सालाना 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो मालदीव से आगे निकल गया है। घरेलू स्तर पर, अंडमान ने सबसे ज्यादा बुक किए जाने वाले हनीमून गंतव्य के रूप में केरल को पीछे छोड़ दिया है। अंडमान के लिए हनीमून पैकेज बुकिंग सालाना आधार पर 6.9 प्रतिशत बढ़ी है। कश्मीर में बुकिंग में 3.6 प्रतिशत बढ़ी है और यह तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। गोवा के लिए बुकिंग की संख्या पिछले वर्ष के समान ही रही, जबकि हिमाचल प्रदेश में हनीमून पैकेज बुकिंग में चार प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

तृप्ति डिमरी की सबसे बहुमुखी भूमिकाएं जो साबित करती हैं कि वे किरदारों की दुनिया में सबसे अलग हैं

मुंबई/एजेन्सी

तृप्ति डिमरी बहुत जल्दी बॉलीवुड की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक बन गई हैं, जिन्हें कभी-कभी भावनात्मक गहराई की मांग करने वाली भूमिकाओं में कदम रखने के लिए जाना जाता है, तो कभी कॉमिक टाइमिंग और अक्सर उल्लेखनीय अनुकूलनशीलता के लिए। जटिल नाटकों से लेकर हॉरर कॉमेडी तक, उन्होंने आसानी से विभिन्न प्रकार के किरदारों को निभाया है, जिससे हर किरदार यादगार बन गया है। यहाँ तृप्ति की फ़िल्मोग्राफी पर एक नज़र डालें जो अलग-अलग भूमिकाओं में सहजता से ढलने की उनकी प्रतिभा को दर्शाती है:

भूल भुलैया 3 - मीरा

'भूल भुलैया 3' में तृप्ति डिमरी ने एक और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया। मीरा के रूप में, उन्होंने एक अभिनेत्री के रूप में अपनी रेंज दिखाई, जिससे दिलचस्प कथानक में गहराई आई। कॉमिक से लेकर गंभीर जटिलताओं तक, तृप्ति ने सहजता से उस भूमिका को निभाया जिसने न केवल दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचा बल्कि उन्हें पूर्णता प्रदान करने की उनकी क्षमता के बारे में भी बताया।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो - विद्या

विद्या के रूप में त्रिप्ति अपनी भूमिका में जीवंत ऊर्जा और प्रामाणिकता लाती हैं, अपने अभिव्यंजक आकर्षण और हास्य और भावना के बीच सहज बदलाव से दर्शकों को आकर्षित करती हैं। त्रिप्ति ने विद्या को सहजता से आकर्षक और यादगार बना दिया है, एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह अपनी पीढ़ी की सबसे होनहार प्रतिभाओं में से एक क्यों हैं।

बैड न्यूज़ - सलोनी बग्गा

'बैड न्यूज़' में त्रिप्ति डिमरी ने अपनी बेहतरीन कॉमेडी टाइमिंग का प्रदर्शन किया है, जो एक ताज़ा, जीवंत गतिशीलता जोड़ती है। त्रिप्ति का चित्रण ऊर्जावान सहजता के साथ सूक्ष्म भावों का मिश्रण था, जो एक ऐसी कॉमेडी में योगदान देता है जो मनोरंजक और दिल को छू लेने वाली दोनों है।

एनिमल - ज़ोया रियाज़

'एनिमल' में ज़ोया रियाज़ के रूप में त्रिप्ति ने अपराध और नैतिक जटिलता की दुनिया में कदम रखा। इस फ़िल्म ने उन्हें रातोंरात सनसनी और राष्ट्रीय क्रश बना दिया। इस

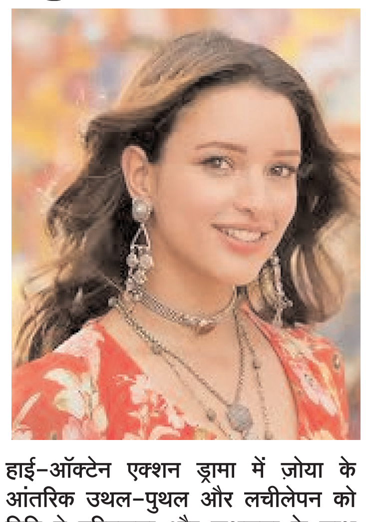

हाई-ऑक्टेन एक्शन ड्रामा में ज़ोया के आंतरिक उथल-पुथल और लचीलेपन को त्रिप्ति ने परिपक्वता और कुशलता के साथ चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने की अपनी क्षमता को साबित किया।

क़ला क़ला मंजुश्री

'क़ला' में त्रिप्ति ने क़ला मंजुश्री की मुख्य भूमिका निभाई, जो एक परेशान युवती है जो अपनी माँ के साथ जटिल रिश्ते और अपने स्वयं के आंतरिक संघर्षों से जूझ रही है। यह किरदार कमज़ोरी, दर्द और कलात्मक आकांक्षाओं से भरा हुआ था, और त्रिप्ति ने इन सभी पहलुओं को बहुत ही स्पष्टता के साथ जीवंत किया। उनके अभिनय ने किरदार के आघात और अलगाव को खूबसूरती से दर्शाया, जिससे 'क़ला' उनकी अब तक की सबसे प्रसिद्ध प्रस्तुतियों में से एक बन गई।

बुलबुल बुलबुल

'बुलबुल' में त्रिप्ति ने एक ऐसी महिला का रूप धारण किया जो एक चौड़ी आँखों वाली दुल्हन से एक रहस्यमय अतीत वाली शक्तिशाली लेकिन रहस्यमयी शख्सियत में बदल जाती है। उनके किरदार में खूबसूरती, दर्द और एक अजीब ताकत थी, जो अलौकिक और ऐतिहासिक नाटकों जैसी अनूठी शैलियों को अपनाने की उनकी क्षमता को दर्शाता है।

लैला मजनू - लैला

'लैला मजनू' में त्रिप्ति की सफल भूमिका ने उन्हें लैला के रूप में पेश किया, जो एक स्वतंत्र विचारों वाली युवती है जो एक दुखद प्रेम कहानी के भंवर में फंसी हुई है। इस भूमिका ने त्रिप्ति को सुर्खियों में ला दिया, जहाँ उन्होंने कच्ची भावना और केमिस्ट्री को चित्रित करने की एक सहज क्षमता दिखाई।

उर्वशी रौतेला ने दिखाया अपना फ्रेंच बोलने का हुनर

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अपनी फ्रेंच बोलने की कला का प्रदर्शन कर प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह फ्रेंच में बात करती दिख रही हैं। क्लिप के साथ उन्होंने लिखा, मेरी फ्रेंच बोलने की कला। जब आपको फ्रांस से इतना प्यार मिलता है, तो उनकी भाषा को अपनाना ही सही लगता है। फ्रेंच में एक नए सफर की प्रेरणा के लिए धन्यवाद।''

अभिनेत्री ने शॉर्ट कस्टम-मेड चमकीला आउटफिट पहना हुआ है। उनका मेकअप और हेयरस्टाइल बेहद शानदार लग रहा है। मिस दिवा-मिस यूनिवर्स इंडिया 2015 का खिताब जीतने के बाद प्रसिद्धि पाने वाली उर्वशी रौतेला के पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं। वह नंदमुरी बालकृष्ण और बॉबी देओल के साथ 'एनबीके 109', कमल हासन और शंकर के साथ 'इंडियन 2', और आफताब शिवदासानी और जस्सी गिल के साथ 'कसूर' में नजर आएंगी। इसके अलावा, उर्वशी अक्षय कुमार के साथ 'वेलकम 3' और रणदीप हुड्डा के साथ 'इंस्पेक्टर अविनाश 2' में नजर आएंगी। वह सनी देओल और संजय दत्त के साथ हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर 'द एक्सपेंडेबल्स' के रीमेक 'बाप' में भी अभिनय कर रही हैं। 'सनम रे अभिनेत्री' एक आगामी बायोपिक में परवीन बॉबी का किरदार भी निभाएंगी। अपनी फिल्मी सफर के अलावा उर्वशी एक अंतर्राष्ट्रीय संगीत वीडियो में भी नजर आएंगी। रौतेला ने 2013 में 'सिंह साहब द ग्रेट' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की और उसके बाद से 'सनम रे', 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती', 'हेट स्टोरी 4' और 'पागलपंती' सहित कई लोकप्रिय फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने यो यो हनी सिंह के म्यूजिक वीडियो जैसे 'लव डोज' और 'गल बन गई' में अपनी मौजूदगी से फैंस का दिल जीत लिया। इस जोड़ी ने लव डोज के सीक्वल गाने के लिए फिर से साथ काम किया। उन्होंने 2014 में 'मिस्टर ऐरावत' के साथ कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और 2022 में 'द लीजेंड' के साथ तमिल सिनेमा में शुरुआत की।

शेखर कपूर फरवरी 2025 में 'मासूम : द नेक्सट जेनरेशन' की शूटिंग शुरू करेंगे

मुंबई/एजेन्सी

प्रसिद्ध फिल्ममेकर शेखर कपूर अपनी पसंदीदा क्लासिक मासूम में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए तैयार हैं, जिसके आगामी सीक्वल का नाम कथित तौर पर मासूम: द नेक्सट जेनरेशन रखा गया है। इंडस्ट्री इनसाइडर के अनुसार, इसकी शूटिंग फरवरी 2025 में शुरू होने की उम्मीद है, और इस खबर ने ओरिजिनल फिल्म जो 1983 में रिलीज़ हुई थी उनके के फैंस के बीच उत्साह जगा दिया है, जिसे इसकी बेहतरीन कहानी और सशक्त प्रदर्शन के लिए सराहा गया था। ओरिजिनल मासूम, जिसमें नसीरुद्दीन शाह, शबाना आज़मी और एक युवा जुगल हंसराज ने अभिनय किया था, उसने अपने भावनात्मक रूप से अपने स्टोरीटेलिंग प्लॉट और फैमिली

डायनामिक्स की खोज से दर्शकों को अपनी दुनिया में बांध लिया था। कपूर के टाइमलेस निर्देशन ने एक स्थायी प्रभाव छोड़ा और फैंस लंबे समय से सीक्वल की संभावना के बारे में अनुमान लगा रहे हैं। हालाँकि, नई कास्ट और स्टोरीलाइन की जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि कहानी मॉडर्न डे यानी आज के समय के पारिवारिक रिश्तों की जटिलताओं के इर्द-गिर्द केंद्रित होगी, जिसे नई पीढ़ी की नज़र से देखा जाएगा।

मासूम को फिर से बनाने के फ़ैसले ने इंडस्ट्री में काफ़ी चर्चा पैदा की है, कपूर कथित तौर पर आज के दर्शकों के साथ तालमेल बिठाने के लिए फ़िल्म की थीम को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मासूम की फिर से कल्पना करना ओरिजिनल की विरासत के लिए एक ट्रिब्यूट और आजे के समय के सामाजिक मुद्दों की खोज दोनों हो सकती है, जो एक पुराने लेकिन ताज़ा सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। कपूर की टीम आगे के डिटेल्स पर चुप्पी साधे हुए है, वहीं, फैंस और क्रिटिक कास्टिंग, कहानी और रिलीज़ की तारीख पर आधिकारिक पुष्टि का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं क्योंकि मासूम: द नेक्स्ट जेनरेशन फ्लोर्स पर जाने के लिए तैयार है।

'सुधा मेरे घर ताजी हवा का झोंका थी'

मुंबई/एजेन्सी

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर जारी 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के दूसरे सीजन पर भी दर्शक खूब प्यार लुटा रहे हैं। इस सीजन के अब तक 7 एपिसोड प्रसारित हो चुके हैं। अब शो का नया प्रोमो वीडियो सामने आ गया है। बता दें 8वें एपिसोड में दिग्गज बिजनेस आइकॉन नारायण मूर्ति व उनकी पत्नी सुधा मूर्ति तथा दीपिंदर गोयल और उनकी पत्नी जिया गोयल नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स इंडिया ने प्रोमो साझा करते हुए लिखा, इस फनीवार बिजनेस आइकॉन को उनके अलग अवतार में देखने के लिए तैयार हो जाइए। इस एपिसोड को आप 9 नवंबर रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। नारायण मूर्ति इंफोसिस के 7 सह-संस्थापकों में से एक हैं। दीपिंदर जोमैटो के उएज हैं। कपिल ने नारायण मूर्ति से पूछा कि जब उन्होंने पहली बार सुधा को देखा था तो उनका कैसा रिएक्शन था।

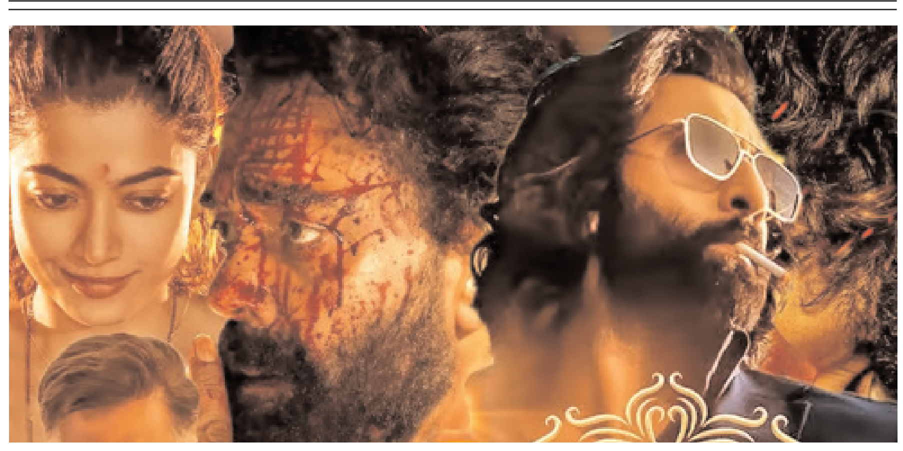

'एनिमल' के सीक्वल की तैयारी में हैं भूषण कुमार

मुंबई/एजेन्सी

निर्माता संदीप रेड्डी वांगा की पिछले साल आई फिल्म 'एनिमल' ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना, तृप्ति डिमरी जैसे सितारों से सजी मूवी ने देश-विदेश में जमकर कमाई की। इसकी सफलता के बाद से प्रशंसक इसके सीक्वल 'एनिमल पार्क' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। टी सीरीज के प्रमुख और 'एनिमल' प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने इसके बारे में खुलकर बात की।

भूषण ने बॉलीवुड हंगामा से बात करते हुए कहा कि संदीप फिलहाल उनके डायरेक्शन में बनी रही 'स्पिरिट' मूवी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एक बार जब वे प्रभास के साथ अपना यह प्रोजेक्ट पूरा कर लेंगे, तो रणबीर की अगुवाई वाली सीक्वल का निर्माण अगले छह महीनों के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। हमारे पास छह महीने का अंतराल होगा और फिर तुरंत 'एनिमल पार्क' होगी।

इससे पहले संदीप ने संकेत दिए थे कि सीक्वल और भी अधिक गहरा और अधिक तीव्र स्वर अपना सकता है। उल्लेखनीय है कि 'एनिमल' में रणबीर की इंटेंस परफॉर्मेंस ने लोगों को दीवाना बना दिया था। रणबीर ने 'रणविजय सिंह' का रोल प्ले किया था। 'एनिमल' 2023 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के जीतो चेप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत लेडीज विंग के अंतर्गत जेबीएन वी-कनेक्ट रेफ़रल मीट का आयोजन अध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना के नेतृत्व में राजाजीनगर कार्यालय में हुआ।

'त्याग, तप, जप, मैत्री भाव बढ़ता रहे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तेरापंथ सभा का गुरु दर्शन यात्रा संघ ने सूरत पहुंचकर चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शन किए व आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्यश्री ने कहा किसमाज में त्याग, तपस्या, जप स्वाध्याय के प्रति विशेष रुचि बढ़ती रहे तथा आपस में मैत्री भाव बढ़ता रहे। साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने कहा कि ज्ञानशाला में अधिक से अधिक ज्ञानार्थी लाभ ले सके ऐसा अभिभावकों को जागरूकता रखनी चाहिए । मुख्य मुनि महावीरकुमारजी ने बेंगलूरु सभा की सराहना की। तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता अर्पित की। मंत्री विनोद छाजेड़ ने सभा द्वारा कृत कार्य की प्रस्तुति दी। संघ संयोजक गौतम मुथा ने संघ यात्रा की जानकारी प्रदान की। रोहित कोठारी, ललित सेठिया, दीपक बाबेल, नवनीत मुथा ने कृतज्ञता गीत का गान किया । संघ सह संयोजक दिनेश छाजेड़ ने आभार व्यक्त किया। इस आयोजन में चार सौ अधिक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

एसपी रोड में धूमधाम से मनाया गया कर्नाटक राज्योत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के दक्षिण भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रोनिक बाजारों में से अग्रणी एसपी रोड के बेंगलूरु इलेक्ट्रोनिक डीलर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में टीम युवा शक्ति द्वारा कर्नाटक राज्योत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रवक्ता ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के दौरान कर्नाटक माते भुवनेश्वरी देवी से राज्य के लोगों की खुशहाली और समृद्धि की कामना की गई। इसी दौरान 1500 के करीब लोगों को भोजन भी करवाया गया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल वरन्दानी, उपाध्यक्ष ललित डाकलिया, किशोर राजपुरोहित, महामंत्री अरुण लुणावत, सहमंत्री दिनेश चारण, सह कोषाध्यक्ष कैलाश बोहरा, संगठन मंत्री आलोक गंग, युवा शक्ति के प्रमुख नीरज वोरा के साथ कार्यकारिणी और एसोसिएशन के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कामधेनु महिला व कामधेनु गौशाला परिवार की चेयरपर्सन शारदा चौधरी, उपाध्यक्ष प्रभा सालेचा, ममता कोठारी, मंत्री राधा गुलेच्छा , सहमंत्री राजवंती, प्रचारमंत्री अरुणा जैन आदि ने यशवंतपुर वर्धमान स्थानकवासी प्रार्थना भवन में उपप्रवर्तनी डा. श्री दर्शनप्रभाजी, डॉ समृद्धिजी के दर्शन किए तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। शारदा चौधरी ने साध्वियों को मूकप्राणियों के लिए नेलमंगला बुद्धिहाल में बनने जा रहे कामधेनु पशु हास्पिटल के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा यशवंतपुर संघ से जीवदया में जुड़ने का आह्वान किया।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजस्थान परिषद् के सदस्यों ने मासिक सेवा आयाम के अन्तर्गत केजी रोड स्थित पुंज सिंधी पंचायत में कमलेश भरत डूंगरवाल के सौजन्य से 250 ज़रूरतमंद लोगों के लिए अन्नदान सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया स्नेह, महिमा, भरत डूंगरवाल, मंत्री विनय बैद ने अन्नदान कार्य में सेवा दी।

ज्ञान आत्मा को पवित्र करता है : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक हनुमंतनगर के तत्त्वावधान चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि ज्ञान आत्मा का दर्पण है। ज्ञान ही आत्मा है और आत्मा ही ज्ञान है। ज्ञान के बिना आत्मा को कभी भी अंनत सुख, अनन्त आनन्द व मोक्ष का स्थान कभी भी मिलता नहीं है। इस लोक में सबसे पवित्र कुछ है तो वो है ज्ञान। ज्ञान पंचमी पर्व पर उसका महत्व बताते हुए उन्होने कहा कि जैन धर्म-दर्शन के अनुसार यह मान्यता है कि कोई ज्ञान पिपासु अगर ज्ञान की आराधना व ज्ञान प्राप्त करना चाहता है तो यदि ज्ञान पंचमी के दिन विधि युक्त साढ़े पाँच वर्षों तक उपवास तप की साधना व तपस्या करता है तो उसे शीघ्र ही ज्ञान की प्राप्ति होती है।

जब आत्मा सम्यक ज्ञान को प्राप्त कर लेती है तो उसके आत्मा में रहा हुआ अज्ञान का अंधकार समाप्त होकर आत्मा मोक्ष के पथ पर अग्रसर हो जाती क्योंकि मोक्ष के चार मार्ग प्रभु महावीर ने बतलाये है वो है सम्यक् ज्ञान, सम्यक् दर्शन सम्यक चारित्र और सम्यक तप।

उत्तराध्ययन सूत्र में तीर्थकर महावीर ने श्रुत ज्ञान आराधना का फल बतलाते हुए कहा कि श्रुतज्ञान अभ्यास आराधना जीव के अज्ञान का नाश होता है। और क्लेश का भी शमन होता है।

व्यक्ति को कभी भी ज्ञान और ज्ञान के साधनों की अविनय-आशातना और अनादर-अपमान नहीं करना चाहिए। साध्वी श्री स्नेह प्रभा जी म.सा. ने भी सबको ज्ञान पंचमी पर्व के प्रसंग पर सबके लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन संघमंत्री सुरेश धोका ने करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

'सम्यक् ज्ञान, सरस्वती की आराधना का दिवस है ज्ञान पंचमी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित मलयप्रभसागरजी व साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी की निश्रा में ज्ञान पंचमी की आराधना के अन्तर्गत श्रुतदेवी सरस्वती माता की आराधना की गई। दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा समस्त सदस्यों को ज्ञान पंचमी की शुभकामनाएं प्रदान की गई। मलयप्रभसागरजी म. सा. ने पांच प्रकार के मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनपर्यव ज्ञान और केवलज्ञान के इक्यावन भेदों के बारे में बताया और पांचों ज्ञान के पांच चैत्यवन्दन करवाए। गुरुवर् ने 'सुविहित स्वर सेना' की स्थापना की जिसका मुख्य कार्य पूजन और महापूजन पढ़वाना रहेगा।

साध्वीश्री स्वर्णांजनश्रीजी ने कहा कि जिस प्रकार बाती और तेल मिलकर अपने आप को जलाकर भी दूसरों को प्रकाश प्रदान करते हैं इसी तरह हमें भी तेल और बाती की भांति खुद को जिन शासन की सेवा में लगाना है। ज्ञान पंचमी एक महत्वपूर्ण दिन है, जो ज्ञान, शिक्षा और संस्कृति की पूजा के लिए समर्पित है। यह दिन विद्या और बुद्धिमत्ता की देवी सरस्वती की पूजा के लिए भी विशेष है। आज के दिन हमें श्रुत और आगमों की भी विशेष पूजा आराधना करनी है। ज्ञान पंचमी की आराधना में दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर आराधना भवन में आगमों की विशेष साज सज्ञा की गई। प्रात:काल से रात्रि तक हजारों श्रद्धालुओं का ज्ञानपूजा के लिए तांता लगा रहा।

श्रुत आराधना करने से घर-परिवार व समाज में क्लेश नहीं होता है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने ज्ञान पंचमी की विशेष आराधना करते हुए 108 प्रकार के जाप के साथ 20 लोगस्स का पारायण ध्यानसहित करवाया। संतश्री ने कहा कि ज्ञान पंचमी महान पर्व है। इस पर्व की महिमा ज्ञानी ही करते हैं। संसार अर्थ में उलझा हुआ है। अर्थ को न्याय नीति से समायोजन करें, साथ में ज्ञान से ही उस अर्थ का संविभाग करना भी सीखना श्रुत ज्ञान का ही फल है। समस्याएँ कृत्रिम और नैसर्गिक दो प्रकार की होती है, कृत्रिम समस्याएँ स्वयं की नासमझ और अज्ञानता से निर्मित होती है जबकि नैसर्गिक समस्या क्षणिक समय के लिए होती है या समय उस समस्या का समाधान कर देता है। श्रुत आराधना करना, आज का दिन सन्देश है। प्रभु महावीर ने अपनी अन्तिम देशना में कहा है कि श्रुत आराधना करने से जीव के घर में-परिवार में समाज में क्लेश नहीं होता है। श्रुत आराधक समस्या नहीं बनता है, समाधान करता है। सुनने और सुनाने वाला ज्ञान श्रुत ज्ञान ही होता है। जिनवाणी की सारी धर्म कथाए इसी श्रुतज्ञान की ही महिमा बढ़ाती है। जो ज्ञान और ज्ञानियों का सम्मान-भक्ति-सेवा आराधना करते हैं'वे शीघ्र ही शांति-सुख और आत्मिक वे भव ऐश्वर्य की प्राप्ति करते ही है।

हमें आसातना से बचना चाहिए ज्ञान पंचमी पर्व का शुभ मंगल सन्देश है कि ज्ञान से दुखी जीवों को सान्त्वना दें, गुणवानों का गुणगान अवश्य करें। संघ प्रवक्ता प्रसन्न मांडोत ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत में धन्यवाद देते हुए बताया कि 7 नवंबर को तपस्वी गुरु गणेश का 145वां जन्म कल्याणक एकासना कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में गुरु गणेश का गुणगान किया जाएगा। आयोजकों ने सभी गुरु भक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

विजयनगर स्थानक में लाभ पंचमी पर हुआ अन्नदान, स्थापित किया गया अभिमंत्रित कलश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुधाकंवरजी के सान्निध्य में साध्वीश्री सुयशाजी द्वारा 22 दिनों की महावीर साधना यात्रा के पश्चात अब भगवान की तीर्थयात्रा अर्थात केवल ज्ञान प्राप्त होने के पश्चात की तीर्थ यात्रा का आयोजन किया गया। साध्वी सुधाकंवरजी की प्रेरणा से तपस्वी वेणीचंदजी के अभिग्रह के उपलक्ष्य में ज्ञान पंचमी के दिन स्थानक के प्रांगण के बाहर तीसरे अन्न प्रसादम का आयोजन किया गया, जिसका लाभ वसंतकुमार, अविनाशकुमार रांका परिवार ने लिया। पर्युषण के दौरान अखंड नवकार मन्त्रों से अभिमंत्रित कलश लाभार्थी मोतीलाल, कमलेशकुमार साँड परिवार के निवास स्थान पर समस्त संघ सदस्यों की उपस्थिति में गुरुणी मैया सुधाकंवरजी के कर कमलों से लाभ वेला में स्थापित किया।

संघ मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने दोनों लाभार्थी परिवारों को बधाई दी। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष पुखराज मेहता, घेवरचंद कटारिया, वसंतकुमार रांका, सुरेशचंद बोहरा, राजेन्द्र कुमार कोठारी, वर्तमान उपाध्यक्ष राजेंद्रकुमार बोहरा, गौतमचंद दक, कोषाध्यक्ष सुरेशचंद खाब्या, युवा अध्यक्ष शंकरलाल दक,मंत्री महावीर गूगलिया, महिला अध्यक्षा किरण बाई भंडारी,मंत्री पवन देवी रांका सहित अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

जेबीएन वी-कनेक्ट रेफरल मीट का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो चेप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत लेडीज विंग के अंतर्गत जेबीएन वी-कनेक्ट रेफ़रल मीट का आयोजन अध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना के नेतृत्व में राजाजीनगर कार्यालय में हुआ। मुख्य प्रशिक्षक हिप्नोथेरेपी एवं लाइफ कोच संगीता जैन ने अपने व्यवसाय की जानकारी देते हुए कहा कि हिप्नोथेरेपी चिकित्सा के तहत स्किल्ड हिप्नोटिस्ट खास तकनीक का उपयोग करते हैं जिससे रोगी के अंदर गहरी शांति, ध्यान और फोकस की भावना पैदा होती है। जिसमें अधिकांश नकारात्मक विचार निकाले जा सकते है। व्यक्ति को मनोवैज्ञानिक तौर पर रिलैक्स और शांत किया जाता है, ताकि वह अपने जीवन को बिना किसी परेशानी के व्यतीत कर पाए। अपने व्यवसाय से जुड़ी और अधिक जानकारी व अनुभव साझा करते हुए संगीता जैन ने जीवन जीने के मूल मंत्र बताने के सफल प्रयास किए। मधु जैन ने कार्यक्रम संबंधित जानकारी साझा की। रेफ़रल प्रमुख सीमा शाह ने सभी का स्वागत किया। रेफ़रल लीड मीना जैन ने रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं रेफ़रल सचिव लीला पितलिया ने धन्यवाद दिया। सभी जेबीएन सदस्यों को इनोवेशन थीम के साथ 30 सेकंड की व्यवसाय संबंधी पिच साझा करने का अवसर मिला। इस रेफ़रल मीट में जेबीएन वी कनेक्ट पूर्वाध्यक्ष सुष्मिता सेठिया, सुमन रांका, उपाध्यक्ष पिंकी जैन, लेडिस विंग उपाध्यक्ष सुमन वेदमुथा उपस्थित थीं।

जेबीएन वी-प्रेन्योर ने मारवाड़ थीम पर आयोजित किया स्नेह मिलन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के ट्रेंडसेटर जेबीएन वी-प्रेन्योर का स्नेह मिलन(सोशल) का आयोजन 'टच ऑफ मारवाड़'थीम पर हुआ। रेफरल हेड नीलम शांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी और रेफरल सेक्रेटरी ज्योति कोचट्टा ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। खेलों में विजेताओं के लिए गिफ्टिंग वाउचर दिए गए।

पूरा शो रेफरल सेक्रेटरी एमसी ज्योति कोचेटा ने एंकरिंग की तथा उपस्थित 27 सदस्याओं के लिए अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन किया। एलटी टीम ने सोशल्स कोऑर्डिनेटर्स अदिति गुलेचा और गिरिशा जैन ने शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम का समापन पर सभी ने गरबा और मारवाड़ी गानों पर डांस किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरु दर्शन

बेंगलूरु राजराजेश्वरीनगर के तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा एवं सभा उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़ ने सूरत में विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने गुरुदेव को चातुर्मास हेतु लिखित रूप में पत्र देकर अर्ज किया कि गुरुदेव आगामी मर्यादा महोत्सव के मौके पर राजराजेश्वरीनगर में भी चातुर्मास प्रदान करने की कृपा करावें। मंगलपाठ प्रदान की गुरुदेव ने आशीर्वाद दिया।

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA MEG & CENTRE
पी.एम.श्री. केन्द्रीय विद्यालय एम. ई. जी. एवं केंद्र
सेंट जॉन्स रोड, बेंगलूरु - 560 042. दूरभाषा : 080 - 25365053
ई-मेल : kvmegbangalore@gmail.com, वेबसाइट : megcentre.kvs.ac.in
तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

WALK - IN - INTERVIEW वॉक - इन - इंटरव्यू

पी.एम.श्री केन्द्रीय विद्यालय एम.ई.जी. एवं केंद्र, बेंगलूरु में शैक्षणिक सत्र 2024-25 हेतु अंशकालीन अनुबंध के आधार पर शिक्षकों की चयन सूची (पैनल) तैयार करने हेतु अभ्यर्थियों का साक्षात्कार पी.एम श्री के.वि. एम.ई.जी एवं केंद्र 12.11.2024 को आयोजित किया जाएगा । अभ्यर्थी प्रमाण पत्रों की मूल एवं छायाप्रति व पासपोर्ट साईज़ फोटो के साथ स्वयं के खर्चे पर साक्षात्कार हेतु उपस्थित होवें । सभी पदों के लिए पंजीयन दिनांक : 12.11.2024 को प्रातः 08.00 से 10.00 बजे तक ही होगा ।

स्थान :- केन्द्रीय विद्यालय एम.ई.जी. एवं केंद्र,
सेंट जॉन्स रोड, बेंगलूरु - 560042

दिनांक	पदनाम	
12.11.2024 मंगलवार	पीजीटी	अर्थशास्त्र - 1
	टीजीटी	गणित - 1, हिन्दी - 1
	पीआरटी	3
	विविध	कंप्यूटर प्रशिक्षक - 1

नोट : योग्यता एवं अन्य विस्तृत जानकारी हेतु विद्यालयों की वेबसाइट : www.megcentre.kvs.ac.in का अवलोकन करें।
सही /- प्राचार्य,
पी एम श्री के.वि. एम.ई.जी. एवं केंद्र, बेंगलूरु.

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com